बुधवार
23 फरवरी 2022

पृष्ठ 4

स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है चुकंदर के जूस का अधिक सेवन

पृष्ठ 5

नंदिता दास की फिल्म से बड़े पर्दे पर लौटेंगे कपिल शर्मा

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 30
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

प्रकृति अपरिमित ज्ञान का भंडार है, परंतु उससे लाभ उठाने के लिए अनुभव आवश्यक है।
– हरिऔध

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

क्या मतगणना के बाद खेला हौवे ?

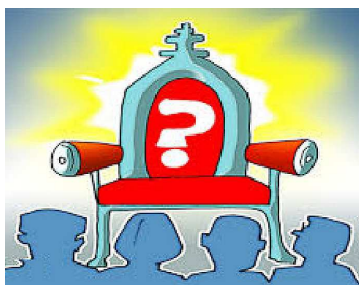

❑क्या मतगणना के बाद खेला हौवे ?
❑भाजपा व कांग्रेस दोनों ही आशंकित
❑स्थितियों को पक्ष में लाने के प्रयास शुरु

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2022 के लिए मतदान को 10 दिन होने जा रहे हैं। दोनों ही प्रमुख प्रतिद्वंदी दलों के नेताओं द्वारा हर रोज अपनी-अपनी जीत के बढ़-चढ़कर दावे किए जा रहे हैं लेकिन इन दावों के बीच दोनों ही दलों के नेताओं को खेला हौवे का डर भी सता रहा है। यही कारण है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के नेताओ द्वारा अन्य विकल्पों की तलाश भी शुरू कर दी गई है।

चुनाव पूर्व आए सर्वेक्षणों में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों को आस-पास खड़ा दिखाया गया था इनमें हांलाकि कांग्रेस को सबसे बड़ी पार्टी बनने की ओर इशारा किया गया था लेकिन चुनाव प्रचार में मोदी के उतरने से और महिला मतदाताओं को आकर्षित करने के कारण कांग्रेस की बढ़त को खत्म करते हुए भाजपा बढ़त बनाती दिखी। लेकिन मतदान के बाद भाजपा के प्रत्याशियों द्वारा जो भितरघात की खबरें आई तो एक बार फिर कांग्रेस में बढ़त की उम्मीदें जाग उठी। लेकिन पल-पल मिलती खबरों और स्थितियों ने भाजपा और कांग्रेस दोनों को ही असमंजस्य और संशय की स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। भले ही अब भाजपा और कांग्रेस के नेता कुछ भी दावे कर रहे हो लेकिन उन्हें डर है कि 10 मार्च के परिणाम कुछ भी हो सकते हैं। उत्तराखंड की राजनीति में 2012 के चुनाव के बाद जो भी खेला हुआ था उसका कारण वह 32-31 का आंकड़ा ही था जब एक सीट अधिक होने के कारण कांग्रेस को सत्ता में आने का मौका मिल गया था, लेकिन भाजपा ने 2016 में बड़ा खेला कर इस सरकार को तगड़ा झटका दिया था।

अगर इस बार भी भाजपा व कांग्रेस दोनों में से कोई भी पूर्ण बहुमत हासिल करने में सफल नहीं हो पाती है तो फिर सूबे की राजनीति में खेला हौवे की संभावनाओं से इन्कार नहीं किया जा सकता है। राज्य में होने वाले अब तक के तमाम चुनावों में दो से चार के बीच निर्दलीय जीतकर विधानसभा पहुंचते रहे हैं। इस बार भी इसकी संभावनाओं से इन्कार नहीं किया जा सकता है। यही कारण है कि भाजपा या कांग्रेस ने उन छह संभावित जीत वाले निर्दलीयों से संपर्क साधना शुरू कर दिए हैं। वहीं इस बार बसपा भी सत्ता की चाबी अपने हाथ में रखने का दावा कर रही है जो 2017 में शुन्य हो गई थी। 10 मार्च को होने वाली मतगणना के बाद की स्थितियों में क्या खेला हौवे ? यह समय के साथ ही पता चलेगा खेला की संभावनाएं नेताओं में बेचैनी पैदा कर रही हैं।

इंजीनियरिंग संस्थान में एसआईटी की छापेमारी

❑अवैध नियुक्तियों के मामले में खंगाले दस्तावेज

संवाददाता

देहरादून। अवैध नियुक्तियों के मामले में एक बार फिर एसआईटी की टीम ने घोड़दौड़ी स्थित जी बी पंत इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में छापेमारी की है। आज की गई छापेमारी की इस कार्यवाही से शासन-प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है।

उल्लेखनीय है कि 2018-19 में की गई इन अवैध नियुक्तियों के मामले में एसआईटी द्वारा पहले भी संस्थान में छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की जा चुकी है। संस्थान के कुलसचिव संदीप कुमार को अवैध नियुक्तियों के आरोपों के चलते 20 नवंबर 2021 में निलंबित कर दिया गया था। उनके ऊपर इंजीनियरिंग संस्थान में अवैध तरीके से प्रोफेसर तथा असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती करने का आरोप है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि एसआईटी को इस मामले की जांच सौंपें जाने के बाद से इस मामले में टीम तथ्य जुटाने में लगी हुई है। पूर्व समय में एसआईटी की टीम द्वारा अनेक दस्तावेज अपने कब्जे में लिए गए थे तथा सील किए गए थे। आज एक बार फिर संस्थान में एसआईटी की छापेमारी के बाद हड़कंप मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार एसआईटी की टीम को कई महत्वपूर्ण दस्तावेज हाथ लगे हैं जो इस मामले की तह तक पहुंचने में सहायक हो सकते हैं। टीम द्वारा इन नियुक्तियों से जुड़े तमाम दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। खास बात यह है कि इस दौरान ऋषिकेश में हुई फर्जी और अवैध तरीके से की गई नियुक्तियों का मामला भी खबरों की सुर्खियों में है। जिसकी एसआईटी द्वारा जांच की जा रही है। यहां की गई 800 नियुक्तियों में से 600 अकेले राजस्थान के लोगों की है। तथा एक ही परिवार के 6 लोगों की नियुक्ति की गई है जिसे संदिग्ध माना जा रहा है और इसे विपक्ष ने मुद्दा बना रखा है।

मनी लॉन्ड्रिंग में नवाब मलिक पहुंचे जेल

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता नवाब मलिक से धन शोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया हैमुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता नवाब मलिक से धन शोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। ईडी की टीम सुबह ७ बजे नवाब मलिक के घर पहुंची थी । ईडी ने नवाब मलिक को अंडरवर्ल्ड से कथित संबंधों वाली एक प्रॉपर्टी से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए तलब किया था। नवंबर २०२१ में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने आरोप लगाए थे कि मलिक ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जमीनें खरीदी हैं। उन्होंने दावा किया था कि प्रॉपर्टी मुंबई धमाके में शामिल रहे आरोपियों की है।

सूत्रों के मुताबिक, हवाला मामले में ईडी द्वारा जुटाए गए सबूतों में मलिक का नाम सबसे पहले आया था। मलिक के कार्यालय के मुताबिक, सुबह ईडी नवाब मलिक के आवास पर आई थी। वे उनके साथ उनके वाहन से ईडी कार्यालय गए। मलिक के बेटे एडवोकेट आमिर मलिक उनके साथ हैं।

बीते 24 घंटे में देशभर में मिले कोरोना के 15102 नए मरीज, 278 मरीजों ने दम तोड़ा

नई दिल्ली । कोरोना महामारी की तीसरी लहर थम गई। देशभर में नए संक्रमितों की संख्या कम होती जा रही है। बीते २४ घंटे में यहां १५१०२ नए मरीज मिले। वहीं, ठीक होने वालों की संख्या इनसे दोगुनी रही। कल ३१३७७ रिकवरी हुईं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जो आंकड़े पेश किए, वो ज्यादातर राहत देने वाले हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट में बताया गया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वैक्सीन की १७२.६८ करोड़ से ज़्यादा डोज़ उपलब्ध कराई गई है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास अभी वैक्सीन की १०.६८ करोड़ से ज़्यादा डोज़ उपलब्ध है

स्वास्थ्य मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट

के मुताबिक, अब तक ४,२१,८६,८८७ कोविड रिकवरी हो चुकी हैं। वहीं, कोविड वैक्सीनेशन का आंकड़ा १,७६,१६,३६,०२० पहुंच गया है। कल देशभर में लोगों को वैक्सीन के ३३,८४,७४४ डोज दिए गए। इसके अलावा कोरोना से जान गंवाने वालों की बात करें तो यह संख्या २७८ रही। अब तक यह आंकड़ा ५,१२,६२२ हो चुका है। केरल में आज ५,६६१ नए मामले, १० मौतें और १०,८५१ ठीक हुए, ८१ मौतें जो दस्तावेजों की कमी के कारण नहीं जोड़ी गईं और ३६ मौतें केंद्र सरकार के नए दिशानिर्देशों के अनुसार, अब जोड़ दी गई हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट में बताया गया कि, पिछले २४ घंटे में २७८ कोरोना मरीजों ने दम तोड़ा। हालांकि, ठीक होने वालों की संख्या जान गंवाने वालों की तुलना में बहुत ज्यादा रही। यह देखते हुए सरकार कोविड-रेस्ट्रिक्शंस को कम कर रही है। खबर है कि, मध्य प्रदेश राज्य में सभी कोरोना पाबंदियोंको हटा दिया गया है। इसी तरह गुजरात में भी पाबंदियां कम की गई हैं। हालांकि, अभी सार्वजनिक स्थान पर मास्क पहनना और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना जरूरी रहेगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

चर्चा के केंद्र में त्रिवेंद्र?

राजनीति में हर बात के अपने मायने होते हैं। मुख्यमंत्री की कुर्सी से उतारे जाने पर त्रिवेंद्र सिंह की तिलमिलाहट से सभी बखूबी वाकिफ है। उनके बाद सीएम की कुर्सी संभालने वाले तीरथ और धामी ने भले ही हाईकमान के निर्देशों पर त्रिवेंद्र सरकार के फैसले बदले हो लेकिन त्रिवेंद्र सिंह इसके बावजूद भी पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर अपने फैसलों को सही ठहराने पर अड़े रहे और जब चुनाव आया तो एक सोची-समझी रणनीति के तहत उन्होंने न सिर्फ चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया बल्कि स्वयं को चुनावी रणनीति से अलग कर लिया। भाजपा हाईकमान और सूबे के बड़े नेताओं को यह लग रहा था कि त्रिवेंद्र अपनी नाराजगी के कारण भाजपा को नुकसान पहुंचा सकते हैं इसलिए पार्टी ने उन्हें चुनाव में कोई बड़ी जिम्मेदारी भी नहीं दी। टिकट बंटवारे में भी त्रिवेंद्र के करीबी लोगों को टिकट देने से बचा गया। अभी दो दिन पूर्व कांग्रेस नेता हरीश रावत ने उनके प्रति सहानुभूति दिखाते हुए उन्हें अच्छा नेता बताया और धामी को खनन प्रिय कहा गया। इसके साथ ही उनकी दुखती रग पर हाथ रखा गया कि पार्टी ने उनके समर्थित प्रत्याशियों के चुन-चुन कर टिकट काटे। हरीश रावत के इस बयान के कई मायने भी निकाले गए। लेकिन तब तक हरीश रावत ने ऐसा क्यों कहा किसी को समझ नहीं आया। लेकिन अब खुद धामी का उनके घर जाकर मुलाकात करना और इसके बाद कल प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, मेयर गामा और काबीना मंत्री धन सिंह का उनके आवास पर जाकर मुलाकात करने के बाद यह स्पष्ट हो चुका है कि त्रिवेंद्र सिंह रावत भाजपा के पावर पॉइंट बनते जा रहे हैं। धामी स्वयं को भावी सीएम मानकर चल रहे हैं वहीं मदन कौशिक की कुर्सी भी भितरघात के आरोपों के कारण हिलती दिख रही है। यही कारण है कि वह त्रिवेंद्र सिंह के घर के चक्कर काट रहे हैं। एक दूसरा कारण चुनाव बाद उत्पन्न होने वाली स्थितियों और परिस्थितियों में त्रिवेंद्र का क्या रुख रहने वाला है यह जानने की कोशिश भी भाजपा के नेताओं द्वारा की जा रही है। अपनी उपेक्षा से आहत त्रिवेंद्र सिंह रावत कहीं कोई बड़ा खेल खेल कर उन सबके लिए बड़ी मुसीबत तो नहीं खड़ी करने जा रहे हैं इस तरह की आशंकाएं भी भाजपा नेताओं के मन में चल रही है। हकीकत क्या है? इसे सिर्फ त्रिवेंद्र सिंह रावत ही जान सकते हैं। लेकिन एक बात साफ है कि पूर्व सीएम हरीश रावत का बयान व भाजपा नेताओं की त्रिवेंद्र सिंह रावत के घर की परिक्रमाओं को भी बेमतलब नहीं कहा जा सकता है। त्रिवेंद्र सिंह रावत जो अब न तो सीएम है और न मंत्री व विधायक फिर आज भाजपा नेताओं और धामी तथा मदन कौशिक के लिए वह इतने जरूरी क्यों हो गए हैं, इसका सही जवाब चुनाव परिणामों के बाद ही मिल सकेगा। लेकिन समय की घूमते चक्र ने एक बार फिर त्रिवेंद्र सिंह को चर्चाओं के केंद्र में जरूर ला दिया है।

पंतजलि का बुकिंग अधिकारी बन ठगे 1 लाख 30 हजार रुपये

देहरादून (संवाददाता)। रोगी से फोन पर पंतजलि का बुकिंग अधिकारी बन एक लाख तीस हजार हडपने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोभालवाला निवासी तेज सिह मेहर ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मोबाइल पर फोन आया और फोन करने वाले ने स्वंय को पंतजलि का बुकिंग अधिकारी बताया। उसका ईलाज पंतजलि मे चल रहा है इसलिए उसको उसपर विश्वास हो गया। उसने ईलाज कराने के नाम पर उससे अपने खाते में एक लाख तीस हजार रूपये जमा करा लिये और उसके बाद उसका फोन बन्द हो गया। जिसके बाद पता करने पर उसको पता चला कि उक्त व्यक्ति ने यूटयूब में पंतजलि की वीडियों के माध्यम से उसका फोन नम्बर लेकर धोखाध डी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कांग्रेस मुख्यमंत्री नहीं, नेता प्रतिपक्ष का चयन करे:भसीन

संवाददाता

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ देवेंद्र भसीन ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने वाली है इसलिए कांग्रेस जिसे विपक्ष में ही बैठना है नेता प्रतिपक्ष चुनने पर ध्यान दे तो बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि हरीश रावत पोस्टल बैलट संबंधी जिस वीडियो को वायरल कर रहे हैं उसके बारे में भाजपा पहले ही डीडीहाट में कर चुकी है। अत: कांग्रेस इस मामले में भ्रम न फैलाए। डॉक्टर देवेंद्र भसीन ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की भारी बहुमत से विजय होना तय है और सारे मिथक तोड़ते हुए प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनने वाली है । ऐसे में कांग्रेस का विपक्ष में बैठना तय है। उन्होंने कांग्रेस को सलाह दी कि वह मुख्यमंत्री पद को लेकर आपस में लड़ने के बजाय नेता प्रतिपक्ष को लेकर विचार करें तो बेहतर होगा । उन्होंने यह भी कहा कि वैसे कांग्रेस के लिए यह काम भी मुश्किल है क्योंकि कांग्रेस के कई बड़े नेता अपने विधानसभा क्षेत्रों में हारने की स्थिति में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में चल रहा अंतर्द्वंद फिर एक बार जनता के बीच में आ गया है।

यूक्रेन को लेकर क्यों बने युद्ध जैसे हालात?

मेजर जनरल अशोक कुमार (रि.)

रूस के लड़ाकू हेलिकॉप्टर यूक्रेन की सीमा से कुछ ही दूरी पर रविवार को उड़ान भरते हुए देखे गए। पश्चिमी देशों ने यूक्रेन में अपनी एंबेसी खाली कर दी हैं। कई एयरलाइंस वहां के लिए फ्लाइट्स रद्द कर चुकी हैं। इन हालात में भी तीन साल पहले चुने गए यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की रूस के साथ अच्छे रिश्तों की उम्मीद जता रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से उन्होंने रविवार को बात की और उन्हें अपने देश बुलाया। इस उम्मीद में कि वह आएंगे तो रूस के साथ तनाव कम करने में मदद मिलेगी। अमेरिका पहले ही अपने राजदूत वहां से बुला चुका है, इसलिए बाइडन शायद ही कीव जाएं।

नाटो से नाराजगी

अमेरिका ने चेतावनी दी है कि रूस कभी भी यूक्रेन पर हमला कर सकता है। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति अभी भी उसी रणनीति पर कायम हैं, जिस पर वह महीनों से चल रहे हैं। वह लगातार कह रहे हैं कि घबराने की जरूरत नहीं है। इधर, रूस और रूस समर्थक सुरक्षा बलों ने यूक्रेन की घेराबंदी कर रखी है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने तनाव खत्म करने के लिए दो मांगें रखी हैं। पहली, यूक्रेन नाटो समूह में शामिल ना हो। दूसरी, पूर्वी यूरोप से नाटो की सेनाओं को हटाया जाए।

पहली नजर में ये मांगें ठीक लग सकती हैं, लेकिन मामला इतना सहज नहीं है। इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए इतिहास के पन्नों को पलटना होगा। बात द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत की है। तब जर्मनी और सोवियत यूनियन मिलकर दूसरों से जंग लड़ रहे थे। उन्होंने युद्ध की शुरुआत 1939 में पोलैंड से की। यह दोस्ती तब टूटी, जब हिटलर ने सोवियत यूनियन पर 22 जून 1941 को हमला कर दिया।

इसके बाद सोवियत यूनियन ने अपनी हिफाजत के लिए युद्ध किए। वह जर्मनी और उसके सहयोगियों के खिलाफ खड़ा हुआ। यह लड़ाई जापान में अमेरिका के एटम बम गिराए जाने के बाद जर्मनी और उसके सहयोगी देशों के समर्पण के साथ खत्म हुई। महत्वपूर्ण बात यह है कि द्वितीय विश्व युद्ध में साझी विजय के बावजूद अमेरिका और सोवियत यूनियन दो धड़ों में बंट गए। दोनों दुनिया में अपना-अपना प्रभाव बढ़ाने में जुट गए।

नाटो इसका एक माध्यम बना, जिसकी अमेरिका के नेतृत्व में 1949 में स्थापना हुई। इसमें पहले 12 देश शामिल थे- बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, फ्रांस, आइसलैंड, इटली, लग्जमबर्ग, नीदरलैंड, नॉर्वे, पुर्तगाल, ब्रिटेन, और अमेरिका। 18 फरवरी 1952 और 6 मई 1955 के बीच तीन और देशों को नाटो में शामिल किया गया। इनमें पश्चिम जर्मनी भी शामिल था। इससे सोवियत यूनियन की चिंता और बढ़ी, क्योंकि पूर्वी जर्मनी सोवियत समर्थक था।

1955 में ही वारसा पैक्ट हुआ। यह समझौता अल्बेनिया (1968 तक), बुल्गारिया, चेकोस्लोवाकिया, पूर्वी जर्मनी, हंगरी, पोलैंड, रोमानिया और सोवियत संघ के बीच हुआ। अमेरिका और सोवियत संघ के बीच शीत युद्ध शुरू हो चुका था, जो समय के साथ बढ़ता चला गया। आज यूक्रेन की जो हालत है, उसे 1991 की घटनाओं से भी जोड़कर देखना जरूरी है। असल में, 1988 से सोवियत संघ का शुरू हुआ विघटन 26 दिसंबर 1991 को पूरा हुआ। तब सोवियत संघ टूटकर 15 देशों में बंट गया। इसमें सबसे बड़ा देश रूस है। 1991 में वारसा पैक्ट भी खत्म कर दिया गया।

1988 से 1991 के बीच जब सोवियत संघ विघटन की तरफ बढ़ रहा था, वहीं 1990 में पश्चिम जर्मनी और पूर्वी जर्मनी का विलय हो गया। माना जाता है कि इस विलय के समय मौखिक समझौता हुआ था कि नाटो अपना विस्तार पूर्वी यूरोप में नहीं करेगा, लेकिन पश्चिमी देशों ने यह वादा नहीं निभाया। वहीं, रूस में जब येल्तसिन ने 1999 में राष्ट्रपति पद से त्यागपत्र दिया तो पूतिन शुरू में कार्यवाहक और बाद में राष्ट्रपति बने। तब से लेकर आज तक वह रूस की शीर्ष सत्ता में हैं। कभी प्रधानमंत्री तो कभी राष्ट्रपति के रूप में।

पूतिन का रूस की शीर्ष व्यवस्था में इतने वर्षों तक रहना और उनके द्वारा रूस को केंद्र में रखते हुए सोवियत संघ के गौरवशाली इतिहास को पुनर्स्थापित करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। रूस ने 1994 के बाद तातरस्तान की स्थिति बदली। उसके बाद चेचन्या पर आक्रमण किया, जो शुरू में 1994 से 1996 तक चला, लेकिन पूतिन के सत्ता संभालने के बाद दोबारा 2000 में युद्ध शुरू हो गया। आज चेचन्या में रूस समर्थित सरकार है। 2014 में रूस ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया, जो सामरिक रूप से रूस के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

यूक्रेन को आज पूतिन की सेना ने इसलिए घेरा है क्योंकि उसने नाटो में शामिल होने का निर्णय लिया है। 21 फरवरी 2019 में यूक्रेन ने अपने संविधान में बदलाव करके नाटो समूह में शामिल होने के अपने रास्ते को वैधानिक जामा पहनाया। इसकी अति तब हुई, जब जून 2021 में यूक्रेन को नाटो समूह में शामिल होने का रास्ता प्रशस्त होने लगा। यह शायद रूस के सुरक्षा हितों से सीधा संघर्ष था क्योंकि यूक्रेन को नाटो के सदस्य देश के रूप में मान्यता मिलते ही संगठन की दस्तक सीधे रूस के पश्चिमी किनारे पर होने वाली थी। गौरतलब यह भी है कि नाटो ने अपना लगातार विस्तार किया है। उसके लगभग 30 सदस्य देश हैं, जिनमें 10 वारसा पैक्ट में शामिल थे।

चीन की चालबाजी

यूक्रेन को लेकर टकराव बढ़ने के बीच चीन भी अपनी चालें चल रहा है। ताइवान, पूर्वी लद्दाख और दक्षिणी चीन सागर में संबंधित मुद्दों पर घिरा चीन शायद इसी तरह के अवसर की तलाश में था। चीन ने कूटनीतिक चाल चलते हुए पूतिन को विंटर ओलंपिक्स में बुलाया। यहां दोनों देशों ने संयुक्त बयान में कहा कि उनके संबंधों की कोई सीमा नहीं है। इसका मतलब यह है कि दोनों देश अमेरिका से लड़ने के लिए तैयार हैं, युद्ध चाहे यूक्रेन में हो या ताइवान में। इसी बीच, इमरान खान भी चीन पहुंचे। वह रूस की यात्रा भी करने वाले हैं। रूस, चीन और पाकिस्तान के बीच बनता यह नया समीकरण भारत के लिए चिंता का विषय है।

त्वं ताँ इन्द्रोभयाँ अमित्रान्दासा वृत्राण्यार्या च शूर।
वधीर्वनेव सुधितेभिरत्कैरा पृत्सु दर्षि नृणां नृतम।।

(ऋग्वेद ६-३३-३)

हे राजन ! आप अच्छे और दुष्ट मनुष्यों में अंतर करो। अच्छे मनुष्यों की सहायता करो और दुष्ट मनुष्यों को उस तरह से दूर करो जैसे हरे पेड़ से सूखी लकड़ी को तोड़कर दूर किया जाता है।

O Rajan ! You differentiate between good and wicked people. Help good people and drive away the wicked ones, like plucking dry wood from a green tree. (Rig Veda 6-33-3)

चंडीगढ़ में पिछले 36 घंटे से कई घरों में ना पानी है ना बिजली!

चंडीगढ़। विद्युत विभाग के कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने की वजह से शहर की व्यवस्था चरमरा गई है। रिपोर्ट के मुताबिक हड़ताल के बाद से (सोमवार आधी रात से) डीजी सेट के सहारे ऑफिस चल रहे हैं। वहीं बिजली आपूर्ति बाधित होने से यहां की सभी इंडस्ट्री बंद पड़ी हैं। शहर के सभी बड़े अस्पतालों में भी स्थिति खराब हो चली है। सोमवार रात से ही सेक्टर २०, ३४, ३६, ४०, ४२, ४४, ४६, ३६, किशनगढ़ और मनीमाजरा की हालत खराब है। यहां के कई घरों में पिछले ३६ घंटे से ना पानी है ना ही बिजली आई है। लोग पानी व बिजली के बिना बेहाल हो गए हैं। वहीं अस्पतालों में मरीजों की हालत भी खराब है।

वहीं शहर के सभी इंडस्ट्री बंद हो गई हैं। दरअसल चंडीगढ़ में विद्युत विभाग कर्मचारी निजीकरण के खिलाफ सोमवार आधी रात से हड़ताल पर हैं। कर्मचारियों ने ३ दिवसीय हड़ताल का ऐलान किया है। उधर, चंडीगढ़ प्रशासन ने मंगलवार को आवश्यक सेवा अनुरक्षण कानून (एस्मा) लागू कर ६-माह के लिए हड़तालों पर रोक लगा दी। हड़ताल शुरू होने के बाद से ही बिजली गुल होने के कारण केंद्र शासित प्रदेश के सरकारी अस्पतालों को वैकल्पिक सर्जरी को पुनर्निर्धारित करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। वहीं शहर में रेजिडेंशियल, इंडस्ट्रियल और कमर्शियल क्षेत्रों को काफी नुकसान हुआ है। कुछ चौराहों पर ट्रैफिक लाइटें भी आउटेज के कारण काम नहीं कर रही हैं।

चोरी के आरोपी को आठ माह बाद किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी के मामले मे फरार चल रहे आरोपी को आठ माह बाद गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसारप्रभारी निरीक्षक विकासनगर द्वारा थाना विकास नगर में पंजीकृत गंभीर मुकदमों में वांछितों की गिरफ्तारी मे प्रभावी कार्यवाही किए जाने हेतु थाना स्तर पर टीम गठित कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में पुलिस टीम द्वारा जुलाई 2021 को थाना विकासनगर क्षेत्र अंतर्गत हुई घटना के बाद कोतवाली विकासनगर पर तुरंत ही मुकदमा दर्ज कया यगा था। जिसके बाद 8 सितम्बर 2021 को दो आरोपियों इसरार व मोहम्मद हाशिम पूर्व में गिरफ्तार किए जा चुके थे तथा उनका एक साथी सेहवान पुत्र नूरदीन निवासी जीवनगढ़ विकासनगर पिछले 8 महीने से वाछित चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी के भरसक प्रयास किए जा रहे थे, इसी क्रम में वांछित आरोपी की गिरफ्तारी हेतु मुकदमा विवेचक उप निरीक्षक दीपक द्विवेदी द्वारा गत दिवस आरोपी सेहवान को गिरफ्तार कर लिया गया।

चरस के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस ने रिंग रोड शराब के ठेके के पास एक्टिवा सवार दो लोगों को रूकने का इशारा किया तो पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से 210 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम वसीम पुत्र अली हसन निवासी राजीव नगर व प्रेमसिंह कश्यप पुत्र सोहन लाल निवासी बिलासपुर पीलीभीत बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

इग्नू के इंडक्शन में छात्रों को दी अहम जानकारियां

नैनीताल (आरएनएस)। इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) अध्ययन केंद्र नैनीताल की ओर से मंगलवार को नए प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को क्षेत्रीय निदेशक डॉ. आशा शर्मा, उपनिदेशक डॉ. रंजन कुमार, सह निदेशक डॉ. जगदंबा प्रसाद ने संबोधित किया। संचालन समन्वयक प्रो. ललित तिवारी ने किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए पंजीकृत विद्यार्थियों को कोर्स से संबंधित समस्त जानकारी उपलब्ध करना है।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. ललित तिवारी ने सभी का आभार व्यक्त किया। यहां क्षेत्रीय निदेशक डॉ. आशा शर्मा, इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून डॉ. रंजन कुमार, उप निदेशक डॉ. जगदम्बा प्रसाद, सहायक समन्वयक डॉ. विजय कुमार, नंदबल्ल्भ पालीवाल, ध्रुव कांडपाल, अनमोल, रेनू, भावना, रश्मि, कमलेश, अनुराग यशोधरा आदि रहे।

भवनकर जमा करने की आखरी तारीख 31 मार्च

ऋषिकेश (आरएनएस)। मुनिकीरेती नगर पालिका प्रशासन ने बकाया भवनकर वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी है। भवनकर जमा करने की तारीख ३१ मार्च तक तय की गई है। उसके बाद १० प्रतिशत पेनल्टी लगेगी। मुनिकीरेती नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी तनवीर सिंह मारवाह ने बताया कि बकाया भवनकर की वसूली को लेकर अभियान शुरू किया जा रहा है। जिन लोगों ने अभी तक बकाया भवनकर जमा नहीं करवाया है, उन्हें नोटिस जारी किया जा रहा है। पालिका क्षेत्र में करीब ४ हजार भवन टैक्स धारक है। ३१ मार्च तक बिना पेनल्टी के टैक्स जमा कराने की छूट दी गई है। इसके बाद पेनल्टी के तौर पर १० प्रतिशत अधिक टैक्स वूसला जायेगा। बताया कि भवन टैक्स धारकों की सूची बनाई जा रही है। बड़े बकायदारों से भी टैक्स वूसली का लक्ष्य रखा गया है।

पौड़ी के सरणा में लगाई सेब की पौध

पौड़ी (आरएनएस)। पौडी जिले में शीतकालीन पौधरोपण के तहत सेब की पौध को लगाया जा रहा है। खांड्यूसैंण राजकीय उद्यान में भी पौध तैयार हो रही है। यह उद्यान एक आदर्श उद्यान के तौर पर बना है। यहां सेब सहित अन्य प्रजातियों के पौध तैयार की जाती है।जिले में एप्पल मिशन के तहत सेब की खेती से किसानों को लाभ दिलाने के लिए उद्यान महकमा इन दिनों सेब की पौध लगाने का कार्य कर रहा है। मंगलवार को सरणा के किसान भगत सिंह नेगी के यहां उद्यान विभाग द्वारा सेब की ५०० पौध लगाई गई। यहां पर सेब की रेड ब्लॉक्स, स्कालेट स्पर, जिरोमाईन, मेमास्टार–२२८४, रैडलम्बगाला, ग्रेनी स्मीथ आदि प्रजाति की पौध लगाई गई। इस मौके पर उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण गढ़वाल मंडल के संयुक्त निदेशक डा.रतन कुमार ने कहा कि जिले में किसानों को सेब की खेती से जोड़कर उनकी आर्थिकी मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है। सेब की महंगी प्रजाति क्लोन हाईडेनिसिटी की पौध लगाई जा रही है।

एसपी ने बदरीनाथ पहुंचकर यात्रा मार्गों का किया निरीक्षण

चमोली (आरएनएस)। पुलिस अधीक्षक चमोली श्वेता चौबे ने बदरीनाथ पहुंचकर यात्रा तैयारियों का जायजा लिया। बता दें कि कंचनगंगा से बदरीनाथ तक जगह–जगह ग्लेशियर आए हैं। इन्हें हटाने का कार्य बीआरओ लगातार कर रहा है। बदरीनाथ तक सड़क में जगह–जगह बर्फ मौजूद होने से एसपी को कई जगह रास्ता पैदल ही पार करना पड़ा।

उन्होंने सुरक्षा कर्मियों से बातचीत की और उनका हाल जाना। ८ मई को बदरीनाथ के कपाट खुलने जा रहे हैं। यात्रा के दौरान प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में तीर्थ यात्री बदरीनाथ पहुंचते हैं, इस वर्ष की यात्रा सुरक्षित एवं सफल रहे इसे लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। बदरीनाथ के कपाट खुलने के एक माह बाद जून में सिखों के पवित्र स्थल हेमकुण्ड साहिब के भी कपाट खुलने जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक ने चमोली से बदरीनाथ तक का सफर तय किया एवं यात्रा रुट की बारीकियों और सवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। साथ ही बाजपुर, चमोली, बिरही बैंड को लेकर निर्देश दिए। हेलंग से पहले स्लाइडिंग जोन में आवश्यकता अनुसार वन वे, पागलनाला, गुलाबकोटी, हेलंग एवं मारवाड़ी से बदरीनाथ के मध्य आवश्यक साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। एसपी ने बिरही, पीपलकोटी, टंगड़ी, रोपवे तिराहा, जोशीमठ पेट्रोल पंप, गोविंदघाट, लामबगड़ स्लाइडिंग जोन, बदरीनाथ तिराहा, साकेत तिराहा में यात्रा के दौरान अस्थायी चौकी , बूथों और पर्यटक पुलिस चौकी निर्माण करने के निर्देश दिए। साथ ही यात्रा के दौरान रापवे तिराहे से नृसिंहमंदिर पैट्रोल पंप तक वन वे रखा जाएगा।

वर्तमान समय में बदरीनाथ में ३ से ४ फीट तक बर्फ मौजूद है। बदरीनाथ दौरे के दौरान पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने बर्फ पर चलकर मंदिर तक पहुंची। उन्होंने मंदिर सुरक्षा में लगे पुलिस जवानों से उनका हाल जाना। इस अवसर पर उनके साथ यातायात निरीक्षक चमोली प्रवीण आलोक, उप निरीक्षक दिगम्बर उनियाल, थाना प्रभारी गोविंदघाट नरेंद्र राणा, उपनिरीक्षक विनोद चौरसिया मौजूद थे।

आपूर्ति ठप होने से ताड़ीखेत के कई गांवों में पेयजल संकट

अल्मोड़ा (आरएनएस)। रानीखेत में गर्मी की शुरुआत से पूर्व ताड़ीखेत ब्लॉक के विभिन्न गांवों में पेयजल की समस्या सिर उठाने लगी है। विकासखंड के सिमोली, पथुली, गैरड़, पपना आदि गांवों में करीब चार दिन से पानी की आपूर्ति ठप पड़ी है। ग्रामीण दूर–दराज के प्राकृतिक जल स्रोतों से पानी की व्यवस्था करने को मजबूर हो चले हैं। स्थानीय निवासी दीपक ठाकुर ने बताया कि प्रभावित गांवों में दो पेयजल योजनाओं से पानी की आपूर्ति होती है। गगास–ताड़ीखेत योजना में पिछले १५ दिनों से पानी नहीं आया है। हालांकि तिपौला योजना से पानी की अपूर्ति हो रही थी। लेकिन पिछले चार दिनों से इस योजना से भी पानी नहीं की आपूर्ति ठप पड़ी है। जिस कारण पेयजल किल्लत पैदा होने से ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

करदाताओं की सुविधा के लिए कैंप का आयोजन करेगी छावनी परिषद

अल्मोड़ा (आरएनएस)। रानीखेत में ऑनलाइन टैक्स भुगतान की बाध्यता के कारण करदाताओं को हो रही परेशानी तथा कर वसूली में तेजी लाने के उद्देश्य से छावनी परिषद शिविरों का आयोजन करेगी। कैंट के राजस्व अधीक्षक राजेन्द्र पंत ने करदाताओं की सुविधा के लिए शिविर लगाकर ऑनलाइन भुगतान में मदद की जाएगी। बुधवार को नगर के सुभाष चौक व जीबी पंत पार्क पर कैंप लगाया जाएगा।

जिला स्तरीय चयन 25 फरवरी को

पौड़ी (आरएनएस)। जिला खेल कार्यालय पौड़ी द्वारा उत्तराखंड राज्य के शासकीय अधिकारी, कर्मचारी का ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज शतरंज पुरूष व महिला के लिए जिला स्तरीय चयन २५ फरवरी को इंडोर क्रीड़ा हॉल में किया जाएगा। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी गिरीश कुमार ने बताया कि उत्तराखंड राज्य के शासकीय अधिकारी, कर्मचारी का ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज शतरंज पुरुष व महिला के लिए जिला स्तरीय चयन २५ फरवरी को इंडोर क्रीड़ा हॉल में किया जाएगा। राज्य सरकार के वेतन अधिष्ठान बजट से वेतन प्राप्त करने वाले कार्मिक पुलिस, सेना, निगम को छोड़कर कर्मचारी जिला स्तर चयन में प्रतिभाग करने के लिए पात्र होंगे। बताया कि राज्य स्तरीय चयन २७फरवरी को नवीन बहुउदेशीय क्रीडा हाल परेड ग्राउंड देहरादून में होगा। बताया कि ट्रायल्स में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को अपना आधार कार्ड, वैक्सीनेशन प्रमाणपत्र की प्रति, आरटीपीसी आर रिर्पोट, आईडी के साथ ही संबंधित कार्यालयाध्यक्ष से अनुमति प्रमाणपत्र लाना आवश्यक होगा।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर 97 का चालान

नैनीताल (आरएनएस)। नगर में पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर ९७ लोगों का चालान कर २६ हजार का जुर्माना वसूला। एसओ विमल मिश्रा ने बताया कि एमवी एक्ट चालान में ३३, कोर्ट चालान दो, नगद चालान २० काटकर १२५०० संयोजन शुल्क वसूला। महामारी अधिनियम में बगैर मास्क घूम रहे नौ लोगों का चालान कर दो हजार व सोशल डिस्टेंसिंग के १७ चालान काटकर दो हजार जुर्माना वसूला।

एबीवीपी पौड़ी इकाई की नई कार्यकारिणी गठित

पौड़ी (आरएनएस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पौड़ी इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में उत्कर्ष भटट को नगर अध्यक्ष, कुश रावत को नगर मंत्री, साक्षी तोपाल, राधे जुयाल, मोहित गुंसाई को नगर उपाध्यक्ष, मनजीत असवाल, आलोक नेगी, अंजली नेगी, सचिन नेगी को नगर सह मंत्री, गौतम नेगी को नगर मीडिया प्रभारी बनाया गया। इसके साथ ही अंकित रावत को जिला एसएफएस, अनिरूद्ध सिंह को कॉलेज इकाई अध्यक्ष, शुभम पंवार को कॉलेज मंत्री, संदीप तोमर, अखिल आर्य को इकाई उपाध्यक्ष, काकू गुंसाई, शिवम बिष्ट, राहुल नेगी को कॉलेज सहमंत्री, दीपक कुमार, अभिषेक डोभाल को कॉलेज इकाई सदस्य, खुशबू नेगी को एनसीसी प्रमुख बनाया गया। इस मौके पर विभाग संगठन मंत्री शाश्वत खंडूडी, गढ़वाल सहसंयोजक नितिन रावत, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ऋतिक असवाल आदि शामिल थे।

नक्षत्र वेधशाला का करेंगे संरक्षणः बलूनी

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। राज्यसभा सांसद व भाजपा प्रवक्ता अनिल बलूनी ने देवप्रयाग में १९४६ में स्थापित नक्षत्र वेधशाला को नया स्वरूप देने की बात कही है। उन्होनें कहा कि नक्षत्र वेधशाला उत्तराखंड की प्राचीन धरोहर है,इसका संरक्षण किया जाना जरूरी है।

बीते दिनों राज्य सभा सांसद अनिल बलूनी ने प्रसिद्ध विद्वान व समाजसेवी स्व. आचार्य चक्रधर जोशी द्वारा देवप्रयाग में स्थापित नक्षत्र वेधशाला का भ्रमण किया था। उन्होंने देश की अनमोल धरोहरों को संजोनी वाली नक्षत्र वेधशाला को महत्वपूर्ण संस्था बताया। राज्यसभा सांसद बलूनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आने वाला दशक उत्तराखण्ड का बताया है, इसके अनुरूप नक्षत्र वेधशाला देवप्रयाग की दुर्लभ धरोहर को संरक्षित किया जाने का कार्य किया जाएगा। कहा वेधशाला में पांच सौ वर्ष पुरानी पांडुलिपियों, कला चित्रों, प्राचीन व आधुनिक खगोलीय यंत्रों सहित महत्वपूर्ण मुद्रित ग्रंथों से युक्त पुस्तकालय के लिए कार्य किया जायेगा। कहा बदरी, केदार, गंगा और यमुना देवभूमि की प्राचीन धरोहर है, इनका भी रख रखाव जरुरी है। कहा नक्षत्र वेधशाला में उपलब्ध सामग्री के रख रखाव के लिए वह अपने स्तर से हर संभव प्रयास करेंगे, जिससे आने वाली पीढ़ी इसका लाभ उठा सके।

नक्षत्र वेधशाला प्रमुख आचार्य भास्कर जोशी ने राज्यसभा सांसद से वेधशाला को संरक्षित रखने में सहयोग का आग्रह किया। इस दौरान राज्य सभा सांसद ने वेधशाला में टिहरी रियासत के समय से संग्रहित दुलर्भ हस्तलिखित ग्रंथों, प्राचीन सूर्य, जल, धुव्रघटी , पीपल के पत्तों पर उकेरी गई, पेंटिंग,एक पेज पर लिखी तीन सौ वर्ष पुरानी गीता व दुर्गा सप्तशती,चित्रमय पंचरतनी गीता सहित जर्मन,जापान ,ब्राजील आदि से लाई गई विदेशी दुरबीनों आदि को देखा। मौके पर सांसद प्रतिनिधि संजय बलूनी, सुबोध नौटियाल, रजनी देवी, मौलिक जोशी, इंद्रदत्त रतूड़ी,गिरीश कोटियाल आदि मौजूद थे।

पुरानी कुर्ती को फेंकने की बजाय उसका ऐसे करें दोबारा इस्तेमाल

आमतौर पर कई महिलाओं की अलमारी में कुर्ती का कलेक्शन होता ही है, लेकिन जब ये पुरानी हो जाती हैं तो फिर उन्हें पहनने का मन नहीं करता। ऐसे में कुछ महिलाएं उन कुर्तियों को फेंक देती हैं या फिर उनको दान कर देती हैं। हालांकि, अगर आप चाहें तो अपनी पुरानी कुर्तियों का एक नहीं बल्कि कई तरीकों से दोबारा इस्तेमाल कर सकती हैं। आइए जानते हैं कि पुरानी कुर्तियों का किस तरह दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है।

अगर आपके पास पुरानी कुर्तियों के कलेक्शन में कुछ बनारसी कुर्ती भी हैं तो आप उनसे कुशन कवर बना सकती हैं। इसके लिए पहले यह तय करें कि आपको किस शेप और साइज के कुशन कवर्स बनाने हैं। फिर उसी के मुताबिक अपनी दो या तीन बनारसी कुर्तियों की चार-पांच डबल लेयर काट लें। इसके बाद इन सभी डबल लेयर्स को तीन तरफ से सिल लें। खुली तरफ से रूई भरकर उसे भी सिल लें।

अगर आपके पास ट्रेडिशनल वियर के हिसाब से कोई बैग नहीं या आपका बैग पुराना हो गया है तो आप अपनी किसी खूबसूरत पुरानी कुर्ती उसे तैयार कर सकती हैं। बस इसके लिए अपनी किसी भी एक पुरानी कुर्ती को पोटली बैग के आकार में काट लें। फिर उसके ऊपर के थोड़े से हिस्से को मोड़कर सील लें। इसके बाद सिले हुए हिस्से को उलटा करके उसके ऊपर डोरी लगा लें।

आप चाहें तो पुरानी कुर्ती से अपने बच्चे के लिए सॉफ्ट टॉयज भी बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले टेडी बियर के आकार में कुर्ती को डबल लेयर में काट लें। अब इस डबल लेयर को एक-दूसरे के ऊपर रखें और इसे तीन तरफ से सिल लें। अब खुली तरफ से कपड़े में रुई भर दें और फिर इसे भी सिल दें। तैयार टेडी बियर पर प्लास्टिक की आंख और नाक चिपक दें।

अगर आपको रंग-बिरंगे हेयर बैंड्स लगाना काफी पंसद है तो आप अपनी पुरानी कुर्ती से आकर्षक हेयर बैंड्स बना सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले अपनी किसी पुरानी कुर्ती से एक लेट को काटें और फिर उससे एक नॉट बनाएं। अब इसे नीचे की तरफ से सिलें ताकि नॉट ढीली न हो जाए। कुर्ती से आप इस तरग अलग-अलग रंग के हेडर बैंड्स बना सकती हैं। यकीनन इस तरह के रंग-बिरंगे और खूबसूरत हेयर बैंड्स आप पर बहुत अच्छे लगेंगे।

टॉयलेट के ब्रश को साफ और सैनिटाइज करने के लिए अपनाएं यह तरीका

जितना जरूरी टॉयलेट सीट को साफ करना है, उतना ही जरूरी इसे साफ करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला ब्रश को साफ रखना है। जाहिर सी बात है कि अगर आप टॉयलेट सीट साफ करने के लिए गंदे ब्रश का इस्तेमाल करते हैं तो इससे टॉयलेट साफ नहीं होगा और उस पर कीटाणुओं के पनपने का खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। आइए जानते हैं कि टॉयलेट ब्रश को कैसे साफ और सैनिटाइल किया जा सकता है।

टॉयलेट के निचले हिस्से को साफ करने के लिए पहले एक छोटी बाल्टी या फिर टब को पानी से भरें। इसके बाद इसमें दो बड़ी चम्मच सफेद सिरका और एक बड़ी चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। अब इस मिश्रण में लगभग एक घंटे के लिए टॉयलेट ब्रश को भिगोकर छोड़ दें। अंत में ब्रश को साफ पानी से धोकर ब्रश को सुखाने के लिए कहीं टांग दें। ऐसा करने से टॉयलेट ब्रश में फंसी सारी गंदगी अपने आप ही निकल जाएगी।

टॉयलेट ब्रश के हैंडल की सफाई के लिए पहले एक कप पानी में एक बड़ी चम्मच ब्लीचिंग पाउडर और दो बड़ी चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। अब इस मिश्रण को टॉयलेट ब्रश के हैंडल पर लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद आप गर्म पानी से हैंडल को साफ करें। ऐसा करने से हैंडल अच्छे से साफ हो जाएगा। हालांकि, ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म न हो क्योंकि इससे आपका हाथ जल सकता है।

जब आप टॉयलेट ब्रश को अच्छी तरह से साफ कर लें तो इसके बाद ब्रश को सैनिटाइज यानि कीटाणुमुक्त भी जरूर करें। इसके लिए एक बाल्टी को हल्के गर्म पानी से भरें, फिर उसमें आधा कप डिटॉल या फिर कोई अन्य डिसइंफेक्टेड सॉल्यूशन मिलाएं। अब 15 से 20 मिनट तक के लिए टॉयलेट ब्रश को इस पानी में भिगोकर छोड़ दें। इसके बाद आप टॉयलेट ब्रश को सुखाने के लिए कहीं टांग दें।

बाथरूम में कभी भी गीला टॉयलेट ब्रश न रखें क्योंकि उसमें कीटाणु पनपने लगेंगे, जो बाथरूम को शरीर के लिए खतरा बना सकते हैं। गंदे टॉयलेट ब्रश से टॉयलेट सीट को कभी साफ न करें। ऐसा करने पर बेशक टॉयलेट सीट पर लगे दाग-धब्बे छूट जाएं लेकिन गंदा टॉयलेट ब्रश सीट के कीटाणु नष्ट नहीं कर पाता है। इसके अलावा, टॉयलेट ब्रश को हर तीन महीने बाद जरूर बदल दें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है चुकंदर के जूस का अधिक सेवन

चुकंदर पोटेशियम, जिंक, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, सल्फर, नियासिन और कई जरूरी विटामिन्स के साथ-साथ एंटी-ऑक्सीडेंट गुण से समृद्ध होते है, इसलिए इसके जूस का सेवन कई तरह से स्वास्थ्य के लिए लाभदायक साबित हो सकता है। हालांकि, अगर आप चुकंदर के जूस का सेवन अधिक मात्रा में करते हैं तो यह स्वास्थ्य को फायदे नहीं बल्कि नुकसान पहुंचाने का कारण बन सकता है। आइए जानते हैं कि चुकंदर के जूस के अधिक सेवन से कौन-कौन सी समस्याएं हो सकती हैं।

किडनी स्टोन की समस्या का करना पड़ सकता है सामना

किडनी शरीर के महत्वपूर्ण अंगों में से एक है, जो खून को साफ करके शरीर से जहरीले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करती है। हालांकि, जब आप जरूरत से ज्यादा चुकंदर के जूस का सेवन करते हैं तो इससे आपकी किडनी पर बहुत अधिक दबाव पड़ता है, जिसके कारण किडनी अपना काम सही ढंग से नहीं कर पाती है, जिसके परिणामस्वरूप आपको किडनी स्टोन की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

गर्भवती महिला को पहुंचा सकता है नुकसान

चुकंदर में नाइट्रेट (केमिकल कंपाउंड) की मात्रा मौजूद होती है। ऐसे में अगर कोई गर्भवती महिलाएं अधिक चुकंदर का जूस पीती है तो शरीर में नाइट्रेट की मात्रा अधिक हो जाती है, जिसके कारण गर्भवती महिला को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, अगर कोई महिला गर्भवती है तो वह इसका सेवन बेहद कम मात्रा में करें। यही नहीं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं को भी चुकंदर के जूस का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

लिवर की बीमारियां होने का रहता है खतरा

चुकंदर के जूस का अधिक सेवन लिवर के स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है और इसे कमजोर कर सकता है। दरअसल, चुकंदर के जूस की अधिक मात्रा शरीर में पहुंचकर शरीर की तंत्रिकाओं और कोशिकाओं में सूजन पैदा कर सकती है, जिसकी वजह से लिवर कमजोर होने लगता है। वहीं, इसका अधिक सेवन कई तरह की लिवर संबंधित बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप सीमित मात्रा में ही चुकंदर के जूस का सेवन करें।

हो सकती हैं पेट से जुड़ी समस्याएं

चुकंदर या फिर इससे बने जूस का अधिक सेवन करने से आपको पेट से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि ज्यादा चुकंदर का जूस पीने से एसिडिटी, मतली, उल्टी और पेट में दर्द जैसी कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए सीमित मात्रा में ही इसका सेवन करें। बेहतर होगा कि आप डाइटीशियन की सलाह के अनुसार अपनी डाइट में चुकंदर के जूस को शामिल करें।

चुकंदर का जूस कई ऐसे पोषक तत्वों से समृद्ध होता है, जो शरीर के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं और न्यूट्रीशियनिस्ट की मानें तो एक दिन में 250 मि.ली. चुकंदर के जूस का सेवन करना ही लाभदायक है।

शब्द सामर्थ्य -132

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

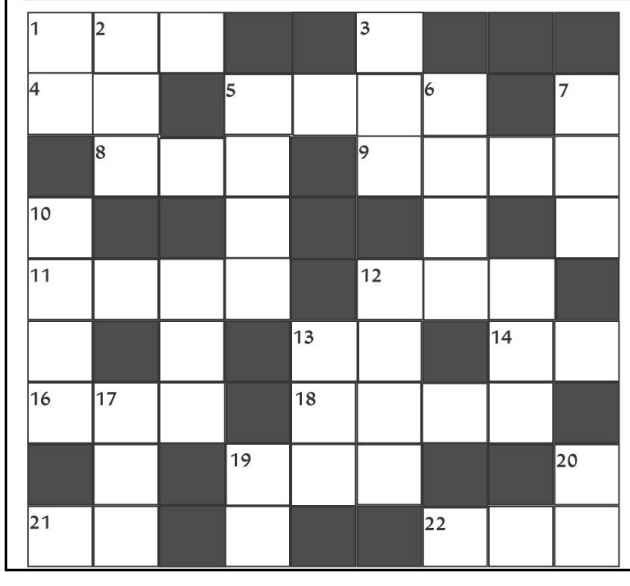

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 131 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

अजय की डेब्यू सीरीज रुद्र का ट्रेलर जारी, दमदार डायलॉग ने खींचा ध्यान

बॉलीवुड की फिल्मों में धाक जमाने के बाद अजय देवगन डिजिटल डेब्यू को लेकर तैयार हैं। वह वेब सीरीज रुद्र- द एज ऑफ डार्कनेस से अपना ओटीटी डेब्यू करेंगे। अब मेकर्स ने इस सीरीज का नया ट्रेलर जारी कर दिया है। इसमें अजय एक पुलिस वाले के किरदार में जलवा बिखरते हुए नजर आए हैं। उनका डायलॉग भी दर्शकों को पसंद आ रहा है।

डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने रुद्र का ट्रेलर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। हॉटस्टार ने अपने पोस्ट में लिखा, हर अपराधी का दु:स्वप्न सच होने वाला है। अंधेरे के छोर पर हमारे पास आपके लिए एक सीट है। क्या आप इसके लिए तैयार हैं? रुद्र के सभी एपिसोड 4 मार्च से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रसारित होने वाले हैं। अजय ने भी ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, अंधेरे से घिरा, मैं न्याय को प्रकाश में लाने के लिए तैयार हूं।

इस सीरीज में अजय ने एसीपी रुद्र वीर का किरदार निभाया है। वह अपने तरीके से अपराधियों से मुकाबला करते हैं। सीरीज के डायलॉग काफी मजेदार लग रहे हैं। ट्रेलर में एक जगह अजय कहते हैं, हर चुतिए को लगता है कि वह चुतिया नहीं है, जब तक कि उसका बाप उसके सामने नहीं आ जाता। अजय एक ग्रे कैरेक्टर में दिखे हैं। वह अपराधियों की गुत्थी को सुलझाने के लिए क्रिमिनल की तरह अपना आइडिया बनाते दिखे हैं।

रुद्र के ट्रेलर में कहानी से पर्दा नहीं उठाया गया है, लेकिन इसकी कहानी काफी रहस्यमयी लगती है। इसमें सस्पेंस, ड्रामा और कई ट्विस्ट देखने को मिलेंगे। राशि अजय की दोस्त की भूमिका में नजर आई हैं। राशि और अजय की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री अच्छी लगी है। दोनों की नजदीकियां भी दिखी हैं। ईशा देओल ने अजय की पत्नी का किरदार निभाया है। अजय एक जगह अपनी शादी को भी जुमला बताते हुए दिखे हैं।

पर्दे पर दमदार अभिनय करना चाहती हैं वाणी कपूर

अभिनेत्री वाणी कपूर का कहना है कि वह पर्दे पर दमदार अभिनय करना चाहती हैं और उन्हें लगता है कि उनकी आने वाली फिल्म शमशेरा उनके लिए एकदम सही है। वाणी फिल्म में एक कलाकार की भूमिका निभा रही हैं, वह कहती हैं कि शमशेरा एक नाटकीय अनुभव है और मैं वास्तव में खुश हूं कि हमारे पास रिलीज तारीख है। हम मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। वह आगे कहती हैं कि शमशेरा एक ऐसी फिल्म है जो मेरे दिल के बेहद करीब है और हममें से प्रत्येक ने इसे एक ऐसी फिल्म बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है, जिसे सभी आयु वर्ग के लोग पसंद करेंगे। चंडीगढ़ करे आशिकी से अलग, मैं दर्शकों को एक ऐसा प्रदर्शन देना चाहती हूं, जिसे वे फिर से पसंद करेंगे। मैं स्क्रीन पर मजबूत प्रदर्शन देना चाहती हूं और शमशेरा मेरे लिए एकदम सही है। फिल्म में वाणी को सुपरस्टार रणबीर के साथ देखा जाएगा। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित करण मल्होत्रा की एक्शन फिल्म 22 जुलाई को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होने के लिए तैयार है।

अभय-3 में नजर आएंगे तनुज विरवानी और बिग बॉस ओटीटी विनर

वेब सीरीज की दुनिया में अभिनेता तनुज विरवानी एक जाना पहचाना नाम है। कई वेब सीरीजों में नजर आ चुके तनुज इन दिनों जी5 की ओरिजिनल वेब सीरीज अभय के तीसरे सीजन के कारण चर्चाओं में हैं। इस सीरीज में तनूत बिग बॉस ओटीटी विनर दिव्या अग्रवाल के साथ नजर आएंगे। सीरीज में दिव्या अग्रवाल तनुज विरवानी के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। तनुज विरवानी को दर्शकों के बीच इनसाइड एज सीरीज से विशेष पहचान मिली जिसमें उन्होंने युवा क्रिकेटर की भूमिका निभाई थी। इसी सीरीज को देखने के बाद दर्शकों ने कहा था कि तनुज का किरदार विराट कोहली से प्रेरित है। हाल ही में जी5 ने अभय 3 की पहली झलकियां पेश की हैं। इसके साथ ही तनुज और दिव्या के कैरेक्टर का भी खुलासा कर दिया है। दिव्या सीरीज में हरलीन और तनुज कबीर का रोल करने वाले हैं। दोनों ही सोशल मीडिया इन्क्लूवेंसर के तौर पर दिखाए जाएंगे। इनका एक डार्क सीक्रेट है जिसे छुपाने के लिए ये किसी को भी मार सकते हैं। जी5 ने ट्विटर पर कुछ झलकियां पेश की हैं। एक फोटो में दिव्या और तनुज एक साथ दिख रहे हैं। इसमें वो एक गाड़ी में बैठे हैं और एंजॉय कर रहे हैं। जबकि इनकी सिंगल सिंगल फोटो में दोनों काफी गंभीर नजर आ रहे हैं। अपने कैरेक्टर के बारे में तनुज विरवानी ने कहा, अभय फ्रेंचाइजी का प्रशंसक होने के नाते मैं तीसरे सीजन में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित हूं। कुणाल एक अद्भुत अभिनेता हैं और केन घोष और मैंने एक लंबा सफर तय किया है, क्योंकि मैंने इस इंडस्ट्री में क्लेपर बॉय के रूप में उन्हें असिस्ट करते हुए अपनी शुरुआत की थी। दिव्या के साथ मैंने पहले ही अन्य शो में काम किया है, इसलिए अभय 3 की इस शानदार टीम में शामिल होना मेरे लिए नॉन-ब्रेनर था। दिव्या अग्रवाल ने कहा, मैं अभय को फॉलो करते आई हूं और फ्रेंचाइजी की फैन हूं। इसीलिए जब मुझे सीजन 3 में एक भूमिका निभाने की पेशकश की गई, तो मैं बहुत उत्साहित थी। मेरा कैरेक्टर काफी कॉम्प्लिकेटेड है और स्क्रीन पर उसकी विचित्रताओं को चित्रित करना चुनौतीपूर्ण और रोमांचकारी रहा।

नंदिता दास की फिल्म से बड़े पर्दे पर लौटेंगे कपिल शर्मा

कॉमेडियन कपिल शर्मा अब एक बार फिर एक्टिंग जगत में अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। वह अभिनेत्री और निर्देशक नंदिता दास की फिल्म से रुपहले पर्दे पर अपनी वापसी करने वाले हैं। नंदिता और कपिल ने सोशल मीडिया पर अपनी इस फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसके बाद प्रशंसक फूले नहीं समा रहे हैं। दोनों एक-दूसरे के साथ काम करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

इस फिल्म में कपिल शर्मा पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में नजर आएंगे। वह एक फूड डिलिवरी राइडर के रूप में दिखाई देंगे। फिल्म में शहाना गोस्वामी, कपिल की पत्नी की भूमिका निभाएंगी। इस महीने के अंत में भुवनेश्वर, ओडिशा में फिल्म की शूटिंग शुरू की जाएगी। नंदिता ने सोशल मीडिया पर लिखा, अप्लॉज एंटरटेनमेंट और नंदिता दास इनिशिएटिव्स साल का सबसे रोमांचक प्रोजेक्ट लेकर आ रहे हैं। कपिल के साथ शहाना इस फिल्म से जुड़ेंगी। आपका आशीर्वाद चाहिए।

कपिल ने कहा, मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं, इसलिए नहीं कि मैं एक फिल्म कर रहा हूं, बल्कि इसलिए कि मैं नंदिता की फिल्म का हीरो हूं, जिन्हें मैंने एक्टर और डायरेक्टर दोनों के रूप में देखा है। उन्होंने कहा, नंदिता का चीजों को देखने का एक बहुत ही अलग और गहरा नजरिया है। मुझे खुशी है कि दर्शकों को मेरा एक नया अवतार देखने को मिलेगा। मैं खुश हूं कि इसमें कुछ नया करने का मौका मिला है।

नंदिता कहती हैं, फिल्म में वही दिखाने की कोशिश की गई है कि आम लोगों की नजरों में क्या छिपा है? एक दिन मेरी स्क्रीन पर कपिल शर्मा अचानक से उभरकर सामने आ गए। उन्होंने कहा, मैंने उनका शो नहीं देखा है, लेकिन मैं उन्हें पूरी तरह से आम आदमी को रीप्रेजेंट करते हुए देख सकती थी। भले ही वह इनमें से एक नहीं हैं, लेकिन मुझे यकीन है कि वह अपनी बेबाकी से सभी को हैरान कर देंगे।

नंदिता ने अपने करियर में 10 भाषाओं की लगभग 40 से अधिक फिल्मों में काम किया है। एक्टिंग के अलावा नंदिता दास निर्देशन के क्षेत्र में भी एक बड़ा नाम हैं। उनके निर्देशन में बनी बायोपिक मंटो को कई फिल्म समारोहों में सराहा गया था।

कपिल के करियर की बात करें तो वह फुल फॉर्म में दिख रहे हैं। द कपिल शर्मा शो के अलावा वह नेटफ्लिक्स पर शो आई एम नॉट डन यट लेकर आए। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म का ऐलान भी कर दिया है। इससे पहले कपिल दो फिल्मों में बतौर लीड एक्टर दिखे थे। किस किस को प्यार करूं से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद कपिल को फिरंगी और इट्स माय लाइफ जैसी फिल्मों में भी देखा गया।

प्रभास के साथ 'प्रोजेक्ट के' में अभिनय करेंगी दीपिका

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण बाहुबली फेम प्रभास के साथ अभिनय करेंगी। पहली बार दोनों सुपरस्टार एक दूसरे से पर्दे पर रोमांस करते नजर आएंगे। दरअसल अपकमिंग फिल्म 'प्रोजेक्ट के' में दोनों साथ नजर आएंगे। दीपिका प्रभास के साथ टॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म को देखने के लिए दोनों के फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान साउथ के दूसरे सुपरस्टार के साथ काम करने की ख्वाहिश जताई है। दीपिका पादुकोण ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि वे तेलुगू स्टार जूनियर एनटीआर और अल्लू अर्जुन के साथ काम करना चाहती हैं। दीपिका ने साल 2007 की फिल्म 'ओम शांति ओम' से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी, जो कि उस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बन गई और उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फंक्शन के दौरान सर्वश्रेष्ठ डेब्यु एक्ट्रेस से नवाजा गया था।एक इंटरव्यू के दौरान दीपिका पादुकोण ने यह पूछे जाने पर कि वह आगे किसके साथ काम करना चाहती हैं तो उन्होंने कहा कि वे 'आरआरआर' अभिनेता जूनियर एनटीआर और 'पुष्पा' अभिनेता अल्लू अर्जुन के साथ काम करना पसंद करेंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि उन पर जूनियर एनटीआर के साथ काम करने का जुनून है, क्योंकि उन्हें उनमें एक अविश्वसनीय व्यक्तित्व मिला है। साथ ही उन्होंने अल्लू अर्जुन एक शानदार और फैनटेस्टिक एक्टर बताया है।दीपिका पादुकोण एंड प्रभास 'प्रोजेक्ट के' की बात करें तो फिल्म दीपिका इसके जरिए टॉलीवुड में डेब्यू कर रहे है।

फिल्म का दूसरा शूटिंग शेड्यूल जाहिर तौर पर फरवरी के दूसरे सप्ताह में हैदराबाद में शुरू हुआ। प्रभास और दीपिका पादुकोण इस शेड्यूल में हिस्सा ले रहे हैं, जो कि एक लंबा शेड्यूल होगा। बताया जा रहा है कि मेकर्स इस जोड़ी के महत्वपूर्ण दृश्य इसी शेड्यूल में पूरा कर लेंगे।

फिल्म में मेगास्टार अमिताभ बच्चन भी अहम रोल में हैं, लेकिन वे अगले शेड्यूल के शूट में शामिल होंगे। फिल्म के लीड स्टार प्रभास और दीपिका हैं। इसके अलावा प्रभास के 'सालार' और 'आदिपुरुष' भी है तो वहीं दीपिका की गहराइयां रिलीज हो चुकी है जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी और अनन्या पांडे भी हैं।

पैन इंडिया स्टार बने रामचरण, 350 करोड़ में बिकी अगली फिल्म

एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर में रामचरण तेजा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म के चलते रामचरण पैन इंडिया स्टार के तौर पर स्थापित हो गए हैं। हिन्दी फिल्मों में रामचरण तेजा कुछ साल पूर्व अमिताभ बच्चन की क्लासिक फिल्म जंजीर के रीमेक में नजर आए थे। रामचरण इन दिनों एक तरफ जहाँ आरआरआर के चलते चर्चाओं में हैं वहीं वे दूसरी तरफ अपनी अगली फिल्म आरसी15 को लेकर भी चर्चा पा रहे हैं।

इस फिल्म को निर्देशक शंकर बना रहे हैं जो फिल्म उद्योग को रजनीकांत के साथ शिवा, रोबोट और रोबोट 2.0 बना चुके हैं। इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर भारी कामयाबी प्राप्त की है। आरसी-15 को दिल राजू प्रोड्यूस कर रहे हैं, जो साउथ के जाने-माने निर्माता हैं। दिल राजू और राम चरण आरसी-15 को अगले साल मकर संक्रांति पर रिलीज करने की सोच रहे हैं। फिल्म को लेकर मनोरंजन जगत से एक बड़ी खबर सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि जी स्टूडियो ने इसके मेकर्स के साथ 350 करोड़ रुपये की डील की है।

फिल्म से जुड़े सूत्रों ने जानकारी दी है कि राम चरण और शंकर की अपकमिंग फिल्म एक मेगा बजट पॉलिटिकल ड्रामा होगी, जिसे कई भाषाओं में एक साथ रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म का क्रेज अभी से दर्शकों में देखा जा सकता है, जिस कारण जी स्टूडियो ने मेकर्स के साथ हाथ मिला लिया है। जी स्टूडियो ने आरसी-15 के हिन्दी वर्जन के सैटेलाइट, डिजिटल और थिएट्रिकल राइट्स 350 करोड़ रुपये में खरीद लिए हैं। इसके साथ-साथ जी स्टूडियो फिल्म को अगल-अलग भाषाओं में डिस्ट्रीब्यूट भी करेगा। फिल्म के बाकी भाषाओं के राइट्स लोकल स्टूडियोज को बेचे जाएंगे, जिसके लिए मेकर्स लगातार उनसे बात कर रहे हैं।

राम चरण ने फिल्म आरसी-15 का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है और जल्द ही वो दूसरे शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर देंगे। फिल्म जून 2022 तक पूरी हो जाएगी, जिसके बाद मेकर्स लगभग 6 महीने तक पोस्ट-प्रोडक्शन में व्यस्त रहेंगे। फिल्म में कियारा आडवाणी भी अहम भूमिका में हैं। बताया जा रहा है कि निर्देशक शंकर आरसी-15 के बाद कमल हासन की इंडियन-2 को पूरा करेंगे और उसके बाद वे हिन्दी सिनेमा के जाने माने सितारे रणवीर सिंह के साथ अपरिचित का हिन्दी रीमेक शुरू करेंगे। शंकर और रणवीर सिंह ने कुछ वक्त पहले ही इस फिल्म का ऐलान किया था।

मुश्किलों के भंवर में उलझते इमरान

जी. पार्थसारथी

पाकिस्तान की राजनीति में इमरान खान का प्रवेश और उद्भव पूर्ववर्ती दिग्गजों, मोहम्मद अली जिन्नाह, जुल्फिकार अली भुट्टो, बेनज़ीर भुट्टो और नवाज़ शरीफ की बनिस्बत अलग किस्म का है। राजनीति में उनकी आमद और उभार किसी पार्टी के जरिए न होकर आईएसआई के पूर्व मुखिया ले. जनरल हमीद गुल की भूमिका से ज्यादा है। हमीद गुल से मेरी मुलाकात और संवाद लाहौर में उस दौरान हुआ था जब कारगिल युद्ध पूरे उफान पर था। अंदर की कई बातों के अलावा उन्होंने बताया कि किस तरह लंबे समय तक सैनिक तानाशाह और राष्ट्रपति रहे जनरल जिया–उल–हक ने निष्ठुर होकर राज चलाया था। जनरल जिया के निज़ाम में कट्टरवादी इस्लामिक रीतियों–नीतियों वाली नीति राष्ट्रीय तौर पर अपनाई गई। तत्कालीन आईएसआई महानिदेशक हमीद गुल ने कट्टरवादी इस्लामिक गुटों का इस्तेमाल कर अफगानिस्तान और जम्मू–कश्मीर में आतंकी अभियान चलाने में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

खुद को उदारवादी दिखाने के प्रयासों के बावजूद, कैम्ब्रिज से पढ़–लिखकर लौटे और क्रिकेटर रहे इमरान खान का हमीद गुल के साथ निकट संबंध था, जो कि तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी के संस्थापकों सदस्यों में एक थे। कोई हैरानी नहीं कि इस्लामिक विचारधारा से ओत–प्रोत इमरान खान की पार्टी तहरीक–ए–इंसाफ की स्थापना पाकिस्तानी सेना की मदद से हुई है। हमीद गुल के मार्गदर्शन में इमरान का रुख कट्टर इस्लामिक बना, जो कि भारत के खिलाफ उनके नफरती बोलों में झलकता है, हालांकि अपने पश्चिमी मित्रों के समक्ष वह उदारवादी छवि प्रस्तुत करते हैं। इमरान खान की एक कुख्यात विशेषता यह भी है कि तुर्की और मलेशिया से संबंध बढ़ाने की एवज में पाकिस्तान के रिश्ते घनिष्ठ मित्र राष्ट्र यूएई और सऊदी अरब से खराब करवा डाले जबकि इस दौरान भारत के संबंध सऊदी अरब और यूएई समेत खाड़ी मुल्कों से प्रगाढ़ होते गए।

पाकिस्तान का इतिहास अपने आय स्रोत से ज्यादा खर्च करने का रहा है, जिससे इतना भारी कर्ज चढ़ गया है कि चुकाना मुश्किल हो गया है। अब इमरान खान के पास विकल्प कम हैं– या तो अपने खर्चे घटाएं या फिर अतंर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसे ऋणदाताओं की अधिक कड़ी शर्तें स्वीकार करें। एक हालिया अध्ययन में, पाकिस्तानी सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले तीन सालों में मुल्क पर चढ़ा कर्ज दुगुना होकर ८५ बिलियन डॉलर हो गया है, जो बाहरी ऋण का नया रिकॉर्ड है। पड़ोसी श्रीलंका अब दूरंदेशी से काम लेते हुए पिछली गलतियां दोहराने से बच रहा है, जब उसे उधार चुकता न कर पाने की एवज में हम्बनतोता बंदरगाह चीन को सौंपना पड़ा था। लेकिन पाकिस्तान अपने च्सदाबहार दोस्तज् चीन से प्राप्त कर्ज की दलदल में और गहरे धंसता प्रतीत हो रहा है, जिससे वह शायद ही कभी निकल पाए। पाकिस्तान ने बहुचर्चित चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना हेतु बिना आगा–पीछा सोचे बहुत भारी ऋण चीन से उठाया है। चीन का एक उद्देश्य इस राजमार्ग के जरिए अफगानिस्तान के विशाल प्राकृतिक स्रोत अपने यहां पहुंचाना है। उधर चीन ने ग्वादर बंदरगाह कॉरिडोर का सारा नियंत्रण एक तरह से अपने हाथ में कर लिया है। चीनी मछलीमार नौकाएं अरब सागर के मत्स्य भंडार का दोहन करने को ग्वादर बंदरगाह पर धड़ल्ले से आ–जा रही हैं। राष्ट्रपति बाइडेन ने पदभार संभालने के बाद एक बार भी इमरान खान से बात नहीं की है।

एक के बाद एक आए पाकिस्तानी प्रधानमंत्रियों ने माना है कि बेशक वे देश की विदेश और सुरक्षा नीति नए सांचे में ढालना चाहते थे, लेकिन इसके लिए सैन्य नेतृत्व से सीधी टक्कर लेना किसी भी राजनेता के लिए खतरनाक होता, विशेषकर राष्ट्रीय सुरक्षा और पड़ोसी भारत एवं अफगानिस्तान से रिश्तों को लेकर। पर इमरान खान ने वह राह चुनी है जो सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा को नागवार गुजरी है। यहां इमरान भूल रहे हैं कि जो मनमर्जियां वह लागू करवाना चाहते हैं और जिन्हें बाजवा का समर्थन न हो, ऐसा करके सेनाध्यक्ष की ताकत को कमकर आंकना मूर्खता और खतरनाक सिद्ध हो सकता है।

सेनाध्यक्ष बाजवा और इमरान खान के बीच तनाव आईएसआई के पूर्व निदेशक और दिखावे के शौकीन एवं महत्वाकांक्षी ले. जनरल फैज़ हमीद के प्रति अधिक प्रेम दिखाने से बना है। बतौर आईएसआई मुखिया जनरल फैज़ ने वैश्विक मीडिया के ध्यान का केंद्र बनने के लालच में गंभीर चूक कर दी, जब अफगानिस्तान से अमेरिकी फौज भाग रही थी। वे अतंर्राष्ट्रीय मीडिया पर छाए, जब उन्होंने वरिष्ठ तालिबान नेताओं जैसे कि मुल्ला अब्दुल गनी बरादर को ऊंचे पद से महरूम करवाया, जिन्हें जान बचाकर काबुल से कंधार भागना पड़ा था। बेशक बाद में उनकी वापसी अपेक्षाकृत निचले ओहदे पर हुई। यह सारा खेल आईएसआई के खासमखास और तालिबान के ताकतवर गुट हक्कानी नेटवर्क की मदद से उन्होंने खेला था, जो पाकिस्तान और अफगान भूमि, दोनों जगह से अपनी गतिविधियां चलाता आया है।

क्षुब्ध हुए सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा ने फौरी प्रतिक्रियात्मक कार्रवाई में तत्कालीन आईएसआई मुखिया जनरल फैज का स्थानांतरण बतौर कमांडर पाक–अफगान सीमांत कोर में कर दिया, जिसका मुख्य काम ड्यूरंड सीमारेखा के आरपार सक्रिय तालिबान और अन्य पृथकतावादी गुटों जैसे कि राष्ट्रवादी पश्तूनों वाली तहरीक–ए–तालिबान (पाकिस्तान) से पैदा चुनौतियों से निपटना है। अब देखने में आ रहा है कि न तो अफगान तालिबान और न ही तहरीक–ए–तालिबान को अंतर्राष्ट्रीय सीमारेखा ड्यूरंड लाइन का जरा–सा सम्मान है। अफगान उप–विदेशमंत्री अब्बास स्तानिकज़ई ने ६ जनवरी को कहा ,च्ड्यूरंड रेखा केवल राजकीय मुद्दा न होकर पूरी कौम का है। यह पूरी तरह सरकार से संबंधित नहीं है। हम यह जिम्मेवारी राष्ट्र को सौंपेंगे ताकि मुल्क इस पर राष्ट्रीय फैसला ले।ज् इससे ड्यूरंड रेखा के दोनों ओर के पाकिस्तानी और पश्तून इलाकों में इस पर राजनीतिक सरगर्मी बढऩा तय है। जनरल बाजवा से तनाव के अलावा इमरान खान के सामने बलूचों का रोष भी मुंह बाए खड़ा है, जो अपने समुद्री इलाके में चीनी नौकाओं की मछलीमार सेंध और ग्वादर पर पाक–चीनी नियंत्रण से अपने मूल अधिकार छिनने पर खफा हैं।

आगामी १८ महीनों में हमें पाकिस्तान के अंदर महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेंगे। जनरल बाजवा की सेवानिवृत्ति सितंबर माह में होनी है। इस बीच विपक्षी दल इमरान खान की सरकार गिराने को दलबदल को शह देने में लगे हैं। लेकिन जब तक तमाम संबंधित पक्षों को सेना की हरी झंडी न मिले तब तक यह प्रयास सफल नहीं होंगे। इसके अलावा जनरल बाजवा को २२ सितंबर, २०२२ तक अपने जानशीन की सिफारिश करनी है। जाहिर है इमरान खान की तरजीह अपने प्रिय ले. जनरल फैज हमीद को इस पद पर बैठाने की है, ताकि उनकी मदद से १२ अक्तूबर, २०२३ से पहले होने वाले आम चुनाव में दुबारा चुनकर आने की राह प्रशस्त हो सके। परंतु ऐसा होने पर सेना के अंदर लहरें उठ सकती हैं क्योंकि जनरल फैज हमीद तीन–सितारा कोर कमांडर जनरलों में सबसे कनिष्ठ हैं. .. क्या इन हालात में, पाकिस्तानी सेना बदनाम हो चुके प्रधानमंत्री द्वारा लिए ऐसे निर्णय की इज्जत करेगी या फिर पूर्व–प्रतिक्रिया करते हुए अपनी तरजीहें लागू करवाएगी? क्या खेल होगा, इस बारे में कयास लगाना फिलहाल जल्दबाजी है। पाकिस्तान में सेना द्वारा तख्तापलट करना न तो अनहोनी है.. . न ही अनसुनी!

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

सू- दोकू क्र.132

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.131का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

आतंक का हश्र

अहमदाबाद में वर्ष 2008 में हुए शृंखलाबद्ध बम धमाकों के दोषियों को आखिर अदालत ने कानून के राज का अहसास करा ही दिया है। भारत के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी सजा में अहमदाबाद ब्लास्ट के 49 दोषियों में से 38 को फांसी सुनाई गई और ग्यारह आखिरी सांस तक सलाखों के पीछे कैद रहेंगे। दरअसल, 26 जुलाई, 2008 को अहमदाबाद के विभिन्न स्थानों पर सत्तर मिनट के भीतर 22 बम विस्फोट हुए थे। इन धमाकों में 56 लोग मारे गये थे और दो सौ से अधिक घायल हुए थे। जिधर देखो उधर तबाही का मंजर था। बाद में विशेष जांच टीमों के प्रयास से धमाकों में शामिल 78 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गत आठ फरवरी को इस मामले में जल्द कार्रवाई को अंजाम देने के लिये बनी विशेष अदालत ने 49 को दोषी पाया। इसके साथ ही दोषियों पर आर्थिक दंड भी लगाया गया है। साथ ही घायलों को हर्जाना देने के भी आदेश दिये गये हैं। धमाके वाले दिन अहमदाबाद के अस्पतालों, बसों व अन्य सार्वजनिक स्थानों को निशाने पर लिया गया था। हमले से पहले इंडियन मुजाहिद्दीन नाम के संगठन की तरफ से मीडिया को मेल भेजी गई थी और इसे गोधरा कांड का जवाबी हमला बताया गया था। दरअसल, अहमदाबाद से पहले बेंगलुरू व जयपुर में भी धमाके हुए थे। यही नहीं, अहमदाबाद में धमाके के अगले दिन सूरत को भी धमाके से दहलाने की कोशिश थी, अच्छा हुआ 29 बम तकनीकी खामी के कारण फट नहीं पाये थे। इस मामले में अहमदाबाद में बीस व सूरत में 15 मामले दर्ज किये गये थे। निस्संदेह, भारतीय इतिहास में पहली बार 38 लोगों को फांसी की सजा सुनाई गई है। इससे पहले राजीव गांधी हत्याकांड में एक साथ 26 लोगों को फांसी की सजा सुनाई गई थी। अहमदाबाद बम कांड में 29 आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी किया गया है। दूसरी ओर 49 आरोपियों को गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत दोषी करार दिया गया।

बहरहाल, जटिल जांच प्रक्रिया और अदालत की लंबी कार्यवाही के बाद सामने आया फैसला आतंक के मंसूबे पालने वाले लोगों के लिये सबक है कि अपराधी कितने भी शातिर क्यों न हों, उन्हें एक दिन कानून के हिसाब से दंड मिलता ही है। निस्संदेह फांसी या उम्रकैद इस अपराध का अंतिम दंड नहीं कहा जा सकता, लेकिन कानून के शासन की स्थापना के लिये मानवता से खिलवाड़ करने वालों को दंडित करना भी जरूरी होता है। यहां सवाल यह भी कि इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले कथित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिद्दीन व प्रतिबंधित स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया कैसी घातक सोच से पैदा होते हैं। उनमें इतना दुस्साहस कैसे पैदा होता है कि वे धमाके की जिम्मेदारी खुलेआम लें। इस मामले में पुलिस की कार्रवाई भी तत्परता वाली रही, जिसने महज 19 दिन में तीस आतंकियों को पकड़कर जेल भेज दिया। बाकी कुछ अपराधी बाद में उत्तर प्रदेश के मेरठ व बिजनौर तथा अन्य राज्यों से पकड़े गये। निश्चित तौर पर ऐसी चुनौतियां हमारे सामने आने वाले वक्त में आ सकती हैं। हमें ऐसी सोच पर अंकुश लगाने का प्रयास करना चाहिए जो निर्दोष के खून से खेलने में सुकून महसूस करती है। ऐसी सोच के खिलाफ सशक्त सामाजिक प्रतिरोध विकसित करने की जरूरत है। साथ ही पुलिस प्रशासन को सतर्क रहते हुए ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिये अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। कहीं न कहीं सीरियल ब्लास्ट का होना हमारे खुफिया तंत्र की नाकामी की ओर भी इशारा करता है। इतने बड़े षड्यंत्र को आतंकी चुपचाप कैसे अंजाम देने में सफल रहे। निस्संदेह, बम धमाकों को अंजाम देने वाले संगठन के बारे में आम लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन 2007 में मीडिया के जरिये संगठन ने भारत में अपनी उपस्थिति का इजहार किया था। इसे गंभीर संकेत मानकर इस दिशा में सतर्क प्रतिक्रिया दी जाती तो शायद अहमदाबाद बम धमाकों को टाला जा सकता था।(आरएनएस)

सीओ ट्रैफिक ने किया छात्राओं के साथ संवाद

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। पुलिस उपाधीक्षक, ऑपरेशन्स, यातायात जनपद रुद्रप्रयाग हर्षवर्द्धनी सुमन द्वारा आज राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अगस्त्यमुनि में विद्यालय के स्टाफ व छात्राओं के साथ संवाद स्थापित किया गया।

इस अवसर पर उनके द्वारा छात्राओं को सम्बोधित करते हुए यातायात नियमों के पालन किये जाने तथा वर्तमान समय की सबसे बड़ी समस्या साइबर अपराध के बारे में विस्तार से बताया गया।

उन्होंने बताया कि साइबर अपराध से बचाव हेतु जानकारी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है, यदि किसी भी कारण से आप साइबर अपराध के शिकार हो जाते हैं, तो बिना किसी देरी किये 1930 पर कॉल करें, तत्पश्चात आपकी कॉल रिसीव होने पर आपको हैल्पलाइन के स्तर से एक व्हट्सएप सन्देश प्रेषित किया जायेगा, जिस पर आप अपने स्तर से हैलो या चैट प्रारम्भ कर कुछ भी लिख कर भेजेंगे, जिस पर ऑटो जनरेट सन्देश प्राप्त होगा, जिसमें आपके द्वारा अपना विवरण, एवं आपके साथ हुए फ्रॉड का विवरण भरा जायेगा, आपके द्वारा दिये गये विवरण एवं पते के आधार पर आपकी शिकायत आपसे सम्बन्धित नजदीकी पुलिस स्टेशन जिले को प्रेषित हो जायेगी, जहां पर सम्बन्धित जिले की पुलिस द्वारा आपके साथ हुए फ्रॉड से सम्बन्धित आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी मांगी जायेगी, जिस पर पुलिस के स्तर से तुरन्त कार्यवाही करते हुए आपकी धनराशि को वापस कराये जाने का प्रयास किया जायेगा। इसी प्रकार से उपस्थित सभी छात्राओं को गौरा शक्ति एप के बारे में भी विस्तार से बताया गया। उपस्थित स्टाफ व छात्राओं को अवगत कराया गया कि एंड्राइड मोबाइल फोन में अन्य एप्लिकेशन्स की भांति गौरा शक्ति एप को भी गूगल प्ले स्टोर से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। गौरा शक्ति एप का प्रयोग करना अत्यधिक आसान है। गौरा शक्ति एप के अन्दर कौन सी सुविधायें आसानी से प्राप्त होती हैं, उनके बारे में विस्तार से बताया जैसे कि, इस ऐप से ऑनलाइन शिकायत की जा सकती है। डायल 112 पर सीधे कॉल की जा सकती है। अपनी शिकायत के स्टेटस को जाना जा सकता है।

●यातायात नियमों और साइबर अपराध के बारे में दी जानकारी

सोशल मीडिया पर अधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है। जिलेवार सभी अधिकारियों के संपर्क नंबर भी एक क्लिक पर कांटेक्ट सेक्शन में देखे जा सकते हैं। जहां पर खड़े हैं लोकेशन ऑन कर अपने नजदीकी पुलिस स्टेशनों के नाम जाने जा सकते हैं। इसमें महिलाओं से सम्बन्धित आईपीसी की धाराएं, पोक्सो अधिनियम, अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, साइबर अपराध और कार्यस्थलों पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न निवारण अधिनियम की जानकारी विस्तार से दी गई है। इस अवसर पर थानाध्यक्ष अगस्त्यमुनि राजीव चौहान, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अगस्त्यमुनि की प्रधानाचार्या व समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

ट्रेन से कटकर एक की मौत

देहरादून (संवाददाता)। ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज थाना रायवाला पर सूचना प्राप्त हुई कि गोडविन होटल के पास (किमी0 34 खम्बा नं0-09) गोडविन होटल हरिपुर कला थाना रायवाला क्षेत्र में एक व्यक्ति ट्रेन से टकरा गया है। सूचना पर थानाध्यक्ष थाना रायवाला द्वारा स्वयं घटनास्थल पर पंहुच कर उच्चाधिकारीगणों को अवगत कराते हुए आवश्यक कार्यवाही करते हुए चीता कर्मगणों की मदद से घायल व्यक्ति को प्राईवेट वाहन के माध्यम से सरकारी हास्पिटल हरिद्वार भिजवाया गया। जहां पर उक्त घायल व्यक्ति को चिकित्सकों द्वारा मृत घोज़ित कर दिया गया । उक्त मृत की पहचान उसके पास से बरामद आधार कार्ड से महेश शाह पुत्र भगवान शाह निवासी वार्ड न०- ०५ नजदीक लक्ष्मी विहार कालोनी बहादराबाद हरिद्वार के रूप मे हुई है । उक्त पते की तस्दीक कर मृतक के परिजनो से शव की पहचान के प्रयास किये जा रहै हैं। पुलिस द्वारा शव को कब्जे में पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जा रही है।

कविराज सिंह नेगी के घर हुई चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार माल बरामद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने पूर्व एडीजी कविराज सिंह नेगी के घर हुई चोरी का खुलासा करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लाखों रूपये के सोने चांदी के जेवरात व अन्य सामान बरामद कर लिया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जन्मेजय खण्डूरी ने पत्रकारों को बताया कि 21 फरवरी को पूर्व एडीजी कविराज सिंह नेगी निवासी रेस कोर्स नेहरू थाना नेहरू कालोनी देहरादून द्वारा थाना नेहरू कालोनी में तहरीर दी गयी कि 14 फरवरी को वह अपने घर में ताला लगाकर पारिवारिक विवाह समारोह में शामिल होने जयपुर गये थे तथा 20 फरवरी को उन्हें उनके सफाई कर्मचारी रवि के माध्यम से दूरभाष पर सूचना मिली कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है। इस पर उनके द्वारा पुलिस को सूचना की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि मौके पर फोरेन्सिक टीम को बुलाकर साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की गयी । पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नेहरू कालोनी प्रदीप चौहान के नेतृत्व में थाना नेहरू कालोनी पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम का गठन कर घटना का शीघ्र खुलासा करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। गठित टीम द्वारा घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी कैमरों का गहनता से अवलोकन व विश्लेषण किया गया तो घटना की रात्रि को घटनास्थल के आस-पास एक संदिग्ध आल्टो कार आती-जाती दिखायी दी । उक्त गाडी के आने जाने वाले सभी रास्तों व पैट्रोल पम्प पर लगे ब्ब्ट कैमरों का जांच व विश्लेषण किया गया तथा बाहरी राज्यों से देहरादून आने वाले सभी टोल टैक्स बैरियरों पर सतर्क निगरानी कर सीसीटीवी कैमरों के जोंच से घटना व चोरों के सम्बन्ध में यह महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई कि आरोपियों द्वारा घटना में आल्टो कार डीएल 3 सीबीएस 0571 का प्रयोग किया गया है। उक्त गाड़ी के फास्ट टैग आई डी के संबंध में विभिन्न सर्विस प्रोवाइडर से जानकारी करने पर उक्त आई डी से लिंक मोबाइल नम्बर की जानकारी प्राप्त की गई व सर्विलांस की मदद से आरोपियों का पीछा करते हुए पुलिस टीम बादलपुर जिला गौतमबुद्ध नगर (नोयडा) पहुंची। जहां गहन सुरागरसी पतारसी करते हुए पुलिस टीम द्वारा आरोपियों को कविराज सिह नेगी के घर से चोरी गये लाखों रुपये के सोने के आभूषण, सोने के बिस्कुट, सिक्के, चांदी के सिक्के, चाँदी व सोनें की मूर्तियों व घटना में प्रयुक्त आला नकब, एक तमंचा 315 बोर व आल्टो कार के साथ धर दबोचा गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम रामशंकर कुशवाहा उर्फ पप्पू पुत्र सुकई भगत निवासी गरिमा गार्डन थाना साहिबाबाद गाजियाबाद, राजकुमार उर्फ राजू नागर पुत्र मामचंद निवासी ग्राम डेरी मच्छा दादरी थाना बादलपुर जिला गौतम बुध नगर उत्तर प्रदेश, कुसुमहर उर्फ अरुण पुत्र सुदेश कुमार निवासी ग्राम व पोस्ट कुचावली थाना छजलेट मुरादाबाद उत्तर प्रदेश बताया। पूछताछ के दौरान बताया गया कुसुमहर उर्फ अरूण वर्ष 2021 में थाना उस्मानपुर पुरानी दिल्ली से धारा लूट व हत्या के मामले मे तिहाड़ जेल मे बन्द हुआ था उसी दरमियान इसका साथी रामाशंकर उर्फ पप्पू भी चोरी के मामले में जेल मे बन्द था, जहाँ पर दोनों की गहरी दोस्ती हो गयी। रोजगार न मिलने पर दोनों ने देहरादून मे चोरी करने की योजना बनायी तथा इस योजना के तहत 19 फरवरी को रामाशंकर व राजकुमार दिल्ली से अपनी अल्टो गाडी से देहरादून आये तथा कारगी चौक से इन्हें कुसुमहर उर्फ अरूण मिला जो पटेलनगर कारगी चौक पर ड्राईवर का काम करता है । उक्त गाडी मे सीएनजी गैस भरवाने के लिए ये लोग रेसकोर्स शक्तिमान पैट्रोल पम्प पहुंचे। आते-जाते समय इन्होनें उक्त मकान में बाहर गेट पर ताला लगा देखा और रैकी करने के बाद रात्रि मे घटना को अंजाम दिया गया।

विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं का जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। विश्व हिंदू परिषद महानगर देहरादून के नेतृत्व में आज कार्यकर्ताओं द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय पर शरीयत के विरुद्ध नारेबाजी कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया है।

जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में यह ज्ञापन एडीएम शिवकुमार द्वारा यह ज्ञापन लिया गया और उन्होंने आश्वासन दिया कि इसे हम तत्काल फैक्स करा कर केंद्र को भेजेंगे और यथासंभव जो भी हमारे स्तर पर इसमें कार्यवाही की जा सकती है वह हम शीघ्र करेंगे। ज्ञापन के माध्यम से विश्व हिन्दू परिषद महानगर का कहना है कि कुछ समय से जिहादी विचारधारा के लोग अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे है। जिसमें हिन्दू समाज के युवाओं की हत्या माबलिचिंग में की जा रही है। जिससे पूरे हिन्दू समाज में रोष है। इसका प्रमाण कर्नाटक में बंजरग दल कार्यकर्ता हर्ष की हत्या के रूप में सामने आया है। जिसकी जिहादी मानसिकता वाले लोगों ने चाकुओं से गोद कर हत्या कर दी थी। उन्होने मांग की है कि इस घटना की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों को मृत्यूदंड दिया जाये। ज्ञापन देने वालों में विश्व हिंदू परिषद के महानगर अध्यक्ष दर्शन लाल भम्म, कार्यकारी अध्यक्ष नवीन गुप्ता, विश्व हिंदू परिषद जिला मंत्री श्याम शर्मा, विभाग मंत्री राजेंद्र राजपूत, संगठन मंत्री अमित कुमार, गौ रक्षा प्रमुख नरेंद्र चौहान, मातृशक्ति से मीनू डीढान , राज नेगी, आशीष बलूनी, महानगर सेवा प्रमुख हरीश कोहली, बजरंग दल प्रांत साप्ताहिक मिलन प्रमुख विकास वर्मा, महानगर उपाध्यक्ष संजीव बालियान सहित कई लोग शामिल रहे।

एक नजर

यूपी के लोगों का विकास, भारत के विकास को गति देता है: पीएम मोदी

बाराबंकी । यूपी चुनाव के बीच पीएम मोदी ने बाराबंकी में विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यूपी के लोगों का विकास, भारत के विकास को गति देता है। यूपी में इतने दशकों तक जिन घोर परिवारवादियों की सरकारें रहीं, उन्होंने यूपी के सामर्थ्य के साथ इंसाफ नहीं किया। इन परिवारवादियों ने यूपी के लोगों को कभी खुलकर अपना सामर्थ्य दिखाने का अवसर नहीं दिया। घोर परिवारवादी चाहते हैं गरीब हमेशा उनके चरणों में रहे, उनके चक्कर लगाता रहे। हम

गरीब की चिंता करते हुए उनके जीवन से मुश्किलें कम करने का काम कर रहे हैं। और इसलिए आज यूपी का गरीब भाजपा के साथ डटकर खड़ा है, एकजुट होकर चुनाव के हर चरण में भाजपा को आशीर्वाद दे रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि यही कोरोना वैक्सीन है जिनके कारण आज युवा स्कूल–कॉलेज जा पा रहे हैं। व्यापार–कारोबार चल पड़ा है। इसलिए यूपी कह रहा है आएगी तो भाजपा ही! आएंगे तो योगी ही। घर और स्कूल में शौचालय हों, गैस कनेक्शन हो, बिजली–पानी कनेक्शन हो, गर्भावस्था के दौरान हज़ारों रुपए की सीधी मदद हो, ऐसे हर काम को हमने पूरे मन से, पूरी लगन से किया।

दानापुर एक्सप्रेस में लगी आग

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल से एक बड़ी खबर सामने आई है। जहां बुधवार की सुबह दानापुर एक्सप्रेस ट्रेन की एक कोच में अचानक आग लग गई। बोगी से आग और धुआं निकलने के बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया। वह चीखते–चिल्लाते हुए इधर–उधर भागने लगे। हालांकि समय रहते दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया।

दरअसल, बुधवार सुबह दानापुर–सिकंदराबाद एक्सप्रेस १२७६२ करीब ८ बजे बैतूल स्टेशन पहुंचने वाली थी। लेकिन पहले आउटर पर अचानक तीसरे नंबर की जनरल बोगी में आग लग गई। धुआं देख कर यात्री डर गए और देखते ही देखते अफरातफरी मच गई। खुद को खतरा में देख लोग खिड़की से कूदने लगे। इसी बीच कुछ यत्रियों ने ट्रेन को चेन पुलिंग के जरिए रोक दिया और बैतूल आरपीएफ को सूचना दी गई, जिसके बाद रेलवे के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। शुरूआती जांच में सामने आया है कि दानापुर–सिकंदराबाद एक्सप्रेस लगी आग बोगी के इलेक्ट्रिक बॉक्स में अचानक स्पार्किंग हुई और आग लग गई। बताया जा रहा है कि किसी यात्री के द्वारा जलती हुई बीड़ी इलेक्ट्रिक बॉक्स में डाल देने से शार्ट सर्किट हुआ होगा।

सुप्रीम कोर्ट, रामसेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग पर 9 मार्च को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच मन्नार की खाड़ी में चूना पत्थरों की श्रृंखला के तौर पर मौजूद रामसेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट जल्द सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। इस संबंध में याचिका भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की ओर डाली गई थी। सामने आई जानकारी के अनुसार कोर्ट इस मामले में ६ मार्च को सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस एनवी रमण, जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस हिमा कोहली की

तीन जजों की बेंच ने इस संबंध में निर्देश जारी किए। सुब्रमण्यम स्वामी ने मामले में तत्काल सुनवाई की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि ६ मार्च को सुनवाई के बाद वह ये फैसला होगा कि इस मामले पर उसे आगे बढ़ना है या नहीं। रामायण की कथा के अनुसार रावण की कैद से माता सीता को छुड़ाने के लिए भगवान राम की वानर सेना ने रामसेतु का निर्माण किया था। यह जगह तमिलनाडु के दक्षिण–पूर्वी तट पर रामेश्वरम और श्रीलंका के मन्नार द्वीप के बीच है। इसे एडम्स ब्रिज (आदम का पुल) भी कहा जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने २००७ में यूपीए कार्यकाल में रामसेतु के आसपास प्रस्तावित सेतुसमुद्रम जहाजरानी परियोजना के काम पर रोक लगा दी थी। सेतुसमुद्रम परियोजना के अंतर्गत चूना पत्थरों की इस श्रृंखला को हटाकर ८३ किलोमीटर लंबा गहरा जलमार्ग बनाना था। इस जलमार्ग के लिए मन्नार को पाक जलडमरूमध्य से जोड़ने की परियोजना थी।

हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य सेवाओं पर मॉनिटरिंग कमेटियों से मांगी रिपोर्ट

संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय द्वारा कोरोना काल में राज्य की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जिला मानिटिरिंग कमेटियों को निर्देश दिए हैं कि वह 8 मार्च तक राज्य के जिला अस्पतालों में क्या-क्या सुविधाएं उपलब्ध है इसका ब्यौरा कोर्ट को दें।

❑कोरोना काल में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं पर सुनवाई

कोरोना काल में राज्य के लोगों और प्रवासियों को अस्पतालों और क्वारंटीन सेंटरों में बेहतर सुविधाएं न मिलने के कारण लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। इस मामले में दायर तमाम याचिकाओं जिनमें अधिवक्त दुष्यंत मैनाली सहित आठ अन्य की सुनवाई कार्यवाहक न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एसएस धनिक की खंडपीठ द्वारा की जा रही है, ने आज सुनवाई करते हुए जिला निगरानी कमेटियों से सभी जिलों की स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता पर 8 मार्च तक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं।

याचिका कर्ताओं के अधिवक्ता द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर मानिटिरिंग कमेटियों से सभी जिला अस्पतालो, प्राइमरी हेल्थ सेंटरों व बेस अस्पतालों में कोरोना काल में स्वास्थ्य सेवाओं का ब्यौरा मांगा गया है। क्योंकि राज्य सरकार के मेडिकल पोर्टल पर इसका विवरण उपलब्ध नहीं है। उल्लेखनीय है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव द्वारा यह पहले ही माना जा चुका है कि कोरोना काल में प्रवासियों के लिए बनाए गए क्वारंटीन सेंटरों की हालत बदहाल रही। जिससे बाहर से आने वाले लोगों को भारी दिक्कतें उठानी पड़ी। सचिव की इस स्वीकारोक्ति के बाद ही कोर्ट ने सरकार को सभी जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति के मानटिरिंग के लिए कमेटी के गठन का आदेश दिया गया।

इस मामले की सुनवाई कर रही उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने इन्हीं मांनिटिरिंग कमेटियों से स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर रिपोर्ट मांगी गई है। अब इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 8 मार्च की तारीख तय की गई है।

मन्दिर व बंद मकान में हुई चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मन्दिर व बंद मकान में हुई चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो चोरों को आज सुबह गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने चुराया गया सारा माल भी बरामद कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली ज्वालापुर में रवि गोस्वामी पुत्र राजवीर गोस्वामी निवासी शिव मंदिर दक्ष एंक्लेव हरि लोक द्वारा तहरीर देकर बताया गया कि बीती रात अज्ञात चोरों द्वारा उनके बंद मकान व मकान के पास स्थित मंदिर का ताला तोड़कर घर का सामान व धनराशि चोरी कर ले गए है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को आज सुबह सूचना मिली कि चोरी की उक्त घटना में शामिल चोर क्षेत्र में देखे गये है। तथा वह कहीं भागने की फिराक में है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला कर रेगुलेटर पुल के समीप से दो लोगों को चोरी की माल सहित गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम रोहित पुत्र जोगिंदर निवासी बाल्मीकि बस्ती व गुलफाम पुत्र हबीब निवासी पावधोई ज्वालापुर बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

12 वर्षो से फरार चल रहे ईनामी हत्यारोपी को किया गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। हत्या के एक मामले में पिछले 12 वर्षो से फरार चल रहे दस हजार के ईनामी बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि वर्ष 1995 में आपसी विवाद के चलते जरनैल सिह पुत्र बजारा सिंह निवासी बिचई थाना नानकमत्ता आदि ने मक्खन सिंह पुत्र चरण सिंह निवासी बिचई की गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिस सम्बन्ध में थाना नानकमत्ता में मुकदमा दर्ज कर जरनैल सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा जरनैल सिंह आदि को सिद्धदोष किया गया था। जिसकी अपील जरनैल सिंह द्वारा उच्च न्यायालय नैनीताल में कर जमानत प्राप्त की गयी थी। जिस अपील को न्यायालय द्वारा खारिज कर दिया गया था। अपील खारिज होने की सूचना मिलते ही जरनैल सिह अपने पूरे परिवार सहित नानकमत्ता से पलायन कर फरार हो गया था।

जरनैल सिंह करीब 12 वर्षों से लगातार फरार चल रहा था। जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा जरनैल सिंह के गिरफ्तारी वारण्ट जारी किए गये थे व पुलिस उपमहानिरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद उधमसिंहनगर द्वारा जरनैल सिंह पर दस हजार के ईनाम की घोषणा कर ठोस कार्यवाही के आदेश दिये गये थे। फरार ईनामी बदमाश की तलाश में जुटी पुलिस टीम को इस दौरान सूचना मिली कि जरनैल सिह अपने परिवार के साथ आभोर फाजिल्का पंजाब में निवास कर रहा है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा जरनैल सिंह पुत्र बंजारा सिंह निवासी बिचई थाना नानकमत्ता को उसके हाल पता ग्राम कडक्का सिंह डांडी जिला फाजिल्का राज्य पंजाब से गिरफ्तार किया गया है जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।